यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN
HINDI MONTHLY - AUGUST 2026
VOL. 25 ISSUE 2 - 28 PAGES - RS. 13/-

अगस्त 2026

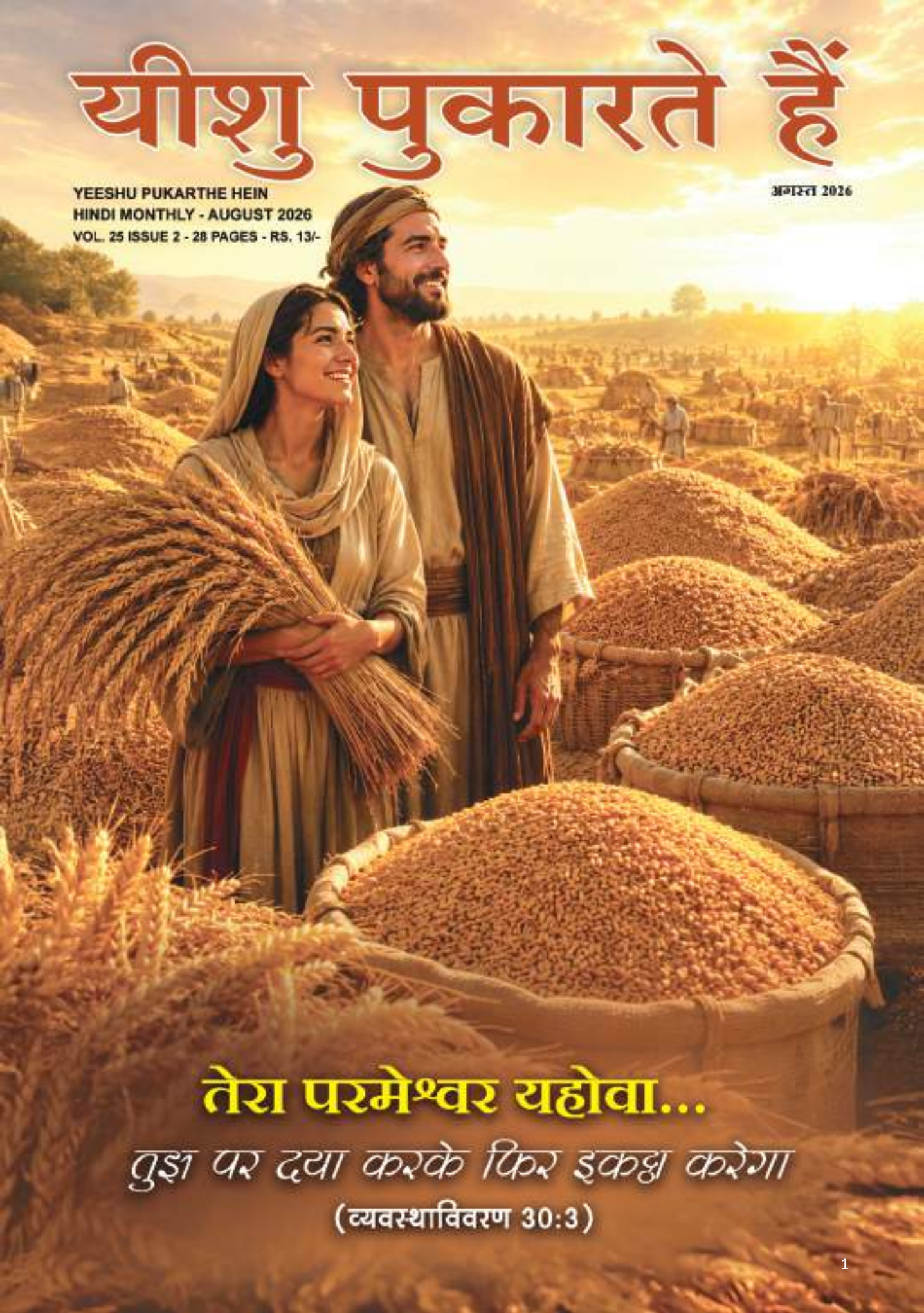

तेरा परमेश्वर यहोवा...

तुझ पर दया करके फिर इकट्ठा करेगा

(व्यवस्थाविवरण 30:3)

बैतहसदा में चमत्कारों का दिन

11 जुलाई को कोयंबटूर के बैतहसदा प्रार्थना केन्द्र में 'बैतहसदा आशीष सभा' के लिए पूरे भारत से 6,000 से ज़्यादा लोग इकट्ठा हुए। वहाँ विश्वास, आराधना और प्रार्थना का माहौल था, और लोगों ने परमेश्वर की उपस्थिति और उसकी चमत्कार करने वाली शक्ति का अनुभव किया।

यूहन्ना 11:40 के आधार पर सेवा करते हुए, सैमूएल दिनाकरन ने सभी को परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर विश्वास करने और उनकी महिमा देखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रार्थनाओं के जवाब और चमत्कारी हस्तक्षेप की शक्तिशाली गवाहियाँ सुनकर कई लोगों का हौसला बढ़ा; इन गवाहियों ने सभी को असंभव चीज़ों के लिए परमेश्वर पर भरोसा करने की प्रेरणा दी। परमेश्वर के सेवकों ने प्रार्थना के तेल के लिए भी मिलकर प्रार्थना की, ताकि जो लोग इसका इस्तेमाल करें, उन्हें प्रभु की चंगाई और आशीष मिल सके।

शाम का एक खास आकर्षण 'युवा आशीष योजना' की शुरुआत थी, जो 22-35 साल के युवाओं के लिए एक प्रार्थना पहल थी। इस योजना को अगली पीढ़ी को मज़बूत करने के लिए शुरू किया गया था, जिसमें जीवन के हर पहलू, जैसे आध्यात्मिक विकास, उच्च शिक्षा, करियर, आर्थिक स्थिति, शादी, पारिवारिक जीवन और भविष्य के लिए खास प्रार्थनाएँ शामिल थीं।

इसके बाद, डॉ पॉल दिनाकरन ने उत्पत्ति 12:2-3 से संदेश दिया और बताया कि परमेश्वर अपने लोगों को आशीष देने और उन्हें दूसरों के लिए अपनी आशीष का ज़रिया बनाने में खुशी महसूस करते हैं। पवित्र आत्मा की अगुवाई में, उन्होंने भविष्यसूचक अंदाज़ में सेवा की; लोगों के नाम पुकारे, उनकी ज़रूरतों को बताया और चंगाई, छुटकारा, बहाली और ईश्वरीय हस्तक्षेप के लिए प्रार्थना की।

प्रभु ने शक्तिशाली रूप से काम किया और कई लोगों ने उनके अलौकिक स्पर्श की गवाही दी। पुरानी बीमारियाँ पूरी तरह ठीक हो गईं, एक दम्पतियों ने खुशी-खुशी बच्चे के वरदान की गवाही दी, लंबे समय से मुश्किलों में घिरे लोगों को छुटकारा मिला, और एक व्यक्ति जो आसानी से चल नहीं पाता था, उसे ईश्वरीय शक्ति मिली और वह बिना किसी परेशानी के चल पाया।

सभा का समापन डॉ पॉल दिनाकरन और सैमूएल दिनाकरन द्वारा वहाँ मौजूद हर व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना करने के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने हर जीवन और परिवार पर परमेश्वर की आशीष की घोषणा की। कई लोग नए विश्वास के साथ घर लौटे और उस प्रभु का आनंद मनाया जो आज भी हर प्रार्थना सुनता है, चमत्कार करता है और जीवन बदलता है।

प्रार्थना भवनों में हर रविवार:

चमत्कारों के साथ आराधना

28 जून को डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन मेमोरियल प्रार्थना भवन में हुई रविवार आशीष सभा में प्रभु की खोज में लगभग 1,500 लोग शामिल हुए। जब इस सेवा-कार्य के ज़रिए परमेश्वर द्वारा किए गए चमत्कारों की गवाहियाँ सुनाई गईं, तो वहाँ मौजूद लोगों का उत्साह बहुत बढ़ गया। इस कार्यक्रम की एक खास बात कैटलिन के जन्मदिन का जश्न था, जिसमें लोगों ने परमेश्वर का धन्यवाद किया कि उन्होंने उसे अपनी महिमा के लिए एक युवा पात्र के रूप में तैयार किया है। व्यवस्थाविवरण 31:8 से वचन सुनाते हुए, डॉ पॉल दिनाकरन ने सभी को भरोसा दिलाया कि प्रभु अपने बच्चों के आगे-आगे चलते हैं, उनके लिए रास्ता तैयार करते हैं और असंभव चीज़ों को गवाहियों में बदल देते हैं। प्रार्थना के समय, पवित्र आत्मा ने शक्तिशाली रूप से काम किया; डॉ पॉल ने भविष्यसूचक अंदाज़ में लोगों के नाम पुकारे और दिव्य सटीकता के साथ प्रार्थना की। बाद में उन्होंने वहाँ मौजूद हर व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत रूप से घंटों प्रार्थना की। लोगों के जीवन पर गहरा असर हुआ, कई थके-हारे दिलों को हिम्मत मिली और परमेश्वर की महिमा हुई।

अन्ना नगर प्रार्थना भवन की 12 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, 5 जुलाई को अन्ना नगर के ECI क्राइस्ट चर्च में एक शानदार रविवार आशीष सभा आयोजित की गई, जहाँ परमेश्वर के लोग उनकी वफ़ादारी और अनुग्रह का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए। प्रार्थना भवन सेवा-कार्य के ज़रिए प्रार्थनाओं के उत्तर मिलने की शक्तिशाली गवाहियाँ सुनकर लोगों का उत्साह बढ़ा। 2 शमूएल 7:9 से उपदेश देते हुए, सैमूएल दिनाकरन ने सभी को भरोसा दिलाया कि प्रभु परिवारों को बहाल करते हैं, खोई हुई आशीषों को वापस लाते हैं, आने वाली पीढ़ियों को आशीष देते हैं और अपने लोगों का नाम महान बनाते हैं। प्रार्थना के दौरान, उन्होंने अधिकार के साथ प्रार्थना की; उन्होंने शारीरिक बीमारियों के पीछे की अंधकार की ताकतों को डाँटा और चंगाई, छुटकारा तथा हर घर में परमेश्वर की निरंतर उपस्थिति के लिए प्रार्थना की। पवित्र आत्मा ने शक्तिशाली रूप से काम किया और लोगों के दिलों को छुआ; प्रभु की उपस्थिति से कई लोगों की आँखों में आँसू आ गए। सभा का समापन इस तरह हुआ कि लोगों ने परमेश्वर का व्यक्तिगत अनुभव किया और मज़बूत विश्वास के साथ घर लौटे, और सारी महिमा परमेश्वर को दी।

अन्ना नगर प्रार्थना भवन में

वह चरवाहा जो सब कुछ पुनःस्थापित करता है

मेरे प्यारे दोस्त, इस महीने, व्यवस्थाविवरण 30:3 से आपसे प्रतिज्ञा करते हैं कि, 'तब तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ को बन्धुआई से लौटा ले आएगा, और तुझ पर दया करके उन सब देशों के लोगों में से जिनके मध्य में वह तुझ को तित्तर बित्तर कर देगा फिर इकट्ठा करेगा।'

कितना सुकून देने वाला भरोसा है यह। हमारे परमेश्वर आपकी ज़िंदगी में बिखरी हुई हर चीज़ को इकट्ठा करते हैं, टूटी हुई हर चीज़ को ठीक करते हैं, और अपनी हर आशीष के साथ आपके जीवन के हर क्षेत्र में आपको फिर से खड़ा करते हैं।

नाओमी को भी ऐसा ही महसूस हुआ था। वह उम्मीद के साथ अपना देश छोड़कर गई थी लेकिन खाली हाथ लौटी; उसने अपने पति, अपने बेटों और अपनी प्यारी लगभग हर चीज़ को खो दिया था (रूत 1:20-21)। अपने दुख में, वह रोई, 'मुझे नाओमी न कहो, मुझे मारा कहो, क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मुझ को बड़ा दुःख दिया है। मैं भरी पूरी चली गई थी, परन्तु यहोवा ने मुझे छूछी करके लौटाया है। सो जब कि यहोवा ही ने मेरे विरुद्ध साक्षी दी, और सर्वशक्तिमान ने मुझे दुःख दिया है, फिर तुम मुझे क्यों नाओमी कहती हो?' फिर भी प्रभु ने उसे कड़वाहट में नहीं छोड़ा। यहोवा धन्य है, जिसने तुझे आज छुड़ाने वाले कुटुम्बी के बिना नहीं छोड़ा; इस्राएल में इसका बड़ा नाम हो। उसने उसकी खुशी को बहाल किया, उसके जीवन और परिवार को फिर से बसाया और उसे उससे कहीं ज़्यादा आशीष दी जितना उसने खोया था (रूत 4:13-17)।

वही परमेश्वर जिन्होंने नाओमी को फिर से बसाया, आज आपसे कह रहे हैं: 'डरो मत। मैं तुम्हें फिर से बसाऊंगा।' जो कुछ भी आपसे दूर चला गया है, जो कुछ भी और जो कोई भी आपकी ज़िंदगी से चुरा लिया गया है या छीन लिया गया है, प्रभु

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org
Pauldhinakaranofficial

उसे वापस लाएंगे। यहाँ तक कि जो लोग आपसे अलग हो गए हैं, उन्हें भी वे अपने शक्तिशाली हाथों से वापस लाएंगे। इसलिए, अपने दिल को परेशान न होने दें।

प्रभु आपको फिर से इकट्ठा करेंगे

'वह तुम पर दया करेगा' शब्द परमेश्वर के प्यार भरे दिल को दिखाते हैं। सचमुच, वे आपके लिए दया से भरे हुए हैं। भले ही ज़िंदगी आपको ऐसी जगहों पर ले गई हो जिनकी आपने कभी उम्मीद नहीं की थी, प्रभु आपको भूले नहीं हैं। यशायाह 11:12 कहता है, 'वह देशों (आपके) के लिए एक झंडा उठाएंगे... और वह पृथ्वी के चारों कोनों से यहूदा (आपके) के बिखरे हुए लोगों को इकट्ठा करेंगे।' इसका मतलब है कि प्रभु के लिए कोई जगह बहुत दूर नहीं है, कोई स्थिति बहुत मुश्किल नहीं है, और कोई नुकसान इतना बड़ा नहीं है जिसे वे ठीक न कर सकें। इसके अलावा, यिर्मयाह 29:14 में लिखा है, 'मैं तुम्हें मिलूँगा... और तुम्हें बंधुआई से वापस ले आऊँगा।' हो सकता है कि आप शारीरिक रूप से गुलाम न हों, लेकिन अंदर ही अंदर आप डर, ठुकराए जाने, अकेलेपन, अपराध-बोध या दुख से बंधा हुआ महसूस करते हों। आज, प्रभु कहते हैं, 'मैं तुम्हें हर तरह की बंधुआई से आज़ाद करूँगा।' जिस जगह पर आपको ठुकराया गया था, वही जगह परमेश्वर के सम्मान की जगह बन जाएगी।

प्रदीश ने ईमानदारी से काम किया, फिर भी अचानक उसकी नौकरी चली गई। उसका दिल दर्द और भविष्य को लेकर अनिश्चितता से भर गया था। उस टूटी हुई हालत में, वह 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' आया और प्रभु के सामने रोया, जबकि वहाँ प्रार्थना करने वाले ने उसके साथ प्रार्थना की। परमेश्वर ने एक चमत्कार के ज़रिए जवाब दिया। उसे उसी कंपनी में वापस बुलाया गया जहाँ उसे निराशा का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार उसे उसी ऑफिस में ज़्यादा सैलरी और ज़्यादा सम्मान मिला। दुश्मन ने जो नुकसान पहुँचाना चाहा था, उसे परमेश्वर ने आशीष में बदल दिया। प्रभु आपके लिए भी ऐसा ही कर सकते हैं।

जैसा कि सपन्याह 3:19 में बताया गया है, उस समय मैं उन सभों से जो तुझे दुःख देते हैं, उचित बर्ताव करूंगा। और मैं लंगड़ों को चंगा करूंगा, और बरबस निकाले हुओं को इकट्ठा करूंगा। वह आपको गुलामी से बाहर निकालेंगे और आपको दूध और शहद की धारा बहने वाले देश में ले जाएँगे, एक ऐसी जगह जहाँ भरपूरता, शांति और ईश्वरीय कृपा हो। वह सचमुच आपकी नौकरी वापस दिलाएँगे, आपके करियर को फिर से बनाएँगे, आपकी बुलाहट और परिवार को नया जीवन देंगे और आपको फिर से सम्मान दिलाएँगे।

यहेजकेल 11:17 कहता है, 'मैं तुम को जाति जाति के लोगों के बीच से बटोरूंगा, और जिन देशों में तुम तितर-बितर किए गए हो, उन में से तुम को इकट्ठा करूंगा, और तुम्हें इस्राएल की भूमि दूंगा।' परमेश्वर न केवल आपकी खोई हुई चीज़ें वापस दिलाएँगे, बल्कि आपके दायरे को भी बढ़ाएँगे और आपको पहले से कहीं ज़्यादा सम्मान के साथ स्थापित करेंगे। इसलिए, खुश हो जाइए।

प्रभु आपको फिर से क्यों बसा रहे हैं?

इसका जवाब आसान है। वह आपके चरवाहे हैं। यीशु ने कहा, 'मैं अच्छा चरवाहा हूँ।' एक अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान दे देता है। हमारे प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर आपके लिए अपनी जान दी। उसने अपना कीमती लहू न केवल आपके पापों को क्षमा करने के लिए बहाया, बल्कि आपको अपने झुंड में लाने और अपने दिल के करीब रखने के लिए भी बहाया।

इसीलिए प्रभु आपको कभी भी घायल, टूटा हुआ या अकेला नहीं छोड़ेंगे। वह आपको अपनी प्यार भरी बाहों में वापस लाने और आपको फिर से पूरा करने की इच्छा रखते हैं।

यहेजकेल 34:13 में लिखा है, 'मैं उन्हें दूसरे देशों से बाहर निकालूँगा और अलग-अलग जगहों से इकट्ठा करूँगा, और उन्हें उनके अपने देश में ले आऊँगा; मैं उन्हें इस्राएल के पहाड़ों पर, घाटियों में और देश की सभी बस्तियों में चराऊँगा।'

शायद आप बिना दिशा वाली भेड़ जैसा महसूस कर रहे हों, भ्रमित और बोझ से दबे हुए। यहाँ, प्रभु एक अच्छे चरवाहे के रूप में अपना प्यार भरा दिल दिखाते हैं। वे अपनी भेड़ों को सिर्फ़ वहाँ से इकट्ठा नहीं करते जहाँ वे बिखरी हुई थीं, बल्कि उन्हें उनकी सही जगह पर वापस लाते हैं, जहाँ वे सुरक्षा, शांति और भरपूर जीवन जी सकें।

मत्ती 9:35-36 में बताया गया है कि यीशु कस्बों और गाँवों में घूमते थे, सिखाते थे, परमेश्वर के राज्य का सुमाचार सुनाते थे और हर तरह की बीमारी और रोग को ठीक करते थे। जब उन्होंने भीड़ को देखा, तो उन्हें उन पर दया आई, क्योंकि वे परेशान और बेसहारा थे, जैसे बिना चरवाहे की भेड़ें। यीशु (जो देहधारी परमेश्वर हैं) ने टूटे हुए दिलों को दिलासा दिया, बीमारों को चंगा किया, सताए हुए लोगों को छुटकारा दिलाया और लोगों को फिर से पूरी तरह ठीक किया। वही यीशु आज भी उसी दया के साथ आपको देख रहे हैं। वे आपकी मुश्किलों को समझते हैं। वे आपके खामोश आँसुओं को देखते हैं।

मुझे एक अनुभव से बहुत हिम्मत मिली। आलोक कुजूर ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने लिखा: 'कई सालों तक मैं कान की एक दर्दनाक बीमारी CSOM से परेशान रहा। हालाँकि मैंने एक बार सर्जरी करवाई थी, लेकिन एक साल बाद समस्या फिर से हो गई और डॉक्टर ने दूसरी सर्जरी की सलाह दी। उसी समय, मुझे विभाग में प्रमोशन के लिए एक ज़रूरी परीक्षा देनी थी। मैं बहुत परेशान था कि क्या दोबारा सर्जरी करवाऊँ या परीक्षा की तैयारी पर ध्यान दूँ। उस मुश्किल समय में, मेरी छोटी बहन ने 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' से संपर्क किया और मेरे ठीक होने और परीक्षा के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। जब एक प्रार्थना करने वाली महिला ने मेरे लिए प्रार्थना की, तो उसने पूरे अधिकार के साथ कहा, 'यीशु के नाम से तुम्हारा कान ठीक हो गया है।' उसी पल से, मेरे कान से मवाद निकलना पूरी तरह बंद हो गया। जब मैं दोबारा डॉक्टर के पास गया, तो वह यह देखकर हैरान रह गए। आज तक, मैं पूरी तरह ठीक हूँ और अपने भविष्य पर ध्यान दे पा रहा हूँ।'

वही यीशु जिन्होंने आलोक को ठीक किया, आज भी चमत्कार कर रहे हैं। हमारे अच्छे चरवाहे की करुणा ऐसी ही है। वह आज भी बीमारों को ठीक करते हैं, टूटे हुए लोगों को संभालते हैं और अपने बच्चों में उम्मीद भरते हैं। और आज, वह प्यार से आपको बुला रहे हैं और कह रहे हैं, 'मेरे पास आओ।'

आपका अच्छा चरवाहा आपको बुला रहा है

लूका 13:34 में, यीशु कहते हैं, 'जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखो के नीचे इकट्ठे करती है, वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठे करूं।' यही परमेश्वर का दिल है। वह आपको अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करना, आपकी रक्षा करना, आपको दिलासा देना और आपको आराम देना चाहते हैं।

हो सकता है कि आप प्रभु से बहुत दूर चले गए हों। दर्द, निराशा या पाप ने आपके और उनके बीच दूरी पैदा कर दी हो। हो सकता है कि आपको वापस आने के लायक न होने का एहसास हो। आप सोच सकते हैं, 'मैंने जो कुछ भी किया है, उसके बाद मैं परमेश्वर के पास कैसे वापस आ सकता हूँ?' लेकिन यीशु का प्यार आपकी नाकामियों से कहीं ज़्यादा बड़ा है। चाहे आप कितने भी दूर क्यों न चले गए हों, यीशु आज आपको वापस बुला रहे हैं। वह आपको माफ़ करना, आपको शुद्ध करना और आपको अपने बच्चे के रूप में अपनाना चाहते हैं।

यीशु के बिना स्वर्ग जाने का कोई रास्ता नहीं है, क्योंकि केवल उसने ही आपके पापों के लिए क्रूस पर अपना लहू बहाया था। यीशु का लहू हमें सभी पापों से शुद्ध करता है। किसी और ने आपके लिए वह कीमत नहीं चुकाई। किसी और ने मौत पर जीत हासिल नहीं की और तीसरे दिन फिर से जी नहीं उठा। इसीलिए क्रूस पर लटके चोर ने भी पुकारकर कहा, 'यीशु, मेरी सुधि लेना।' उसी पल, प्रभु ने उसके लिए स्वर्ग का दरवाज़ा खोल दिया। ठीक उसी तरह, अगर आज आप यीशु की ओर मुड़ते हैं, तो वह आपके लिए स्वर्ग खोल देंगे और आपके जीवन को अपनी कृपा से भर देंगे।

आज, वह आपके पास आ रहे हैं। वह कहते हैं, 'तुम मेरी भेड़ें हो। मैं तुम्हारा अच्छा चरवाहा हूँ। मैं तुम्हारी देखभाल करूँगा। मैं अपने लहू से तुम्हें शुद्ध करूँगा। मैं तुम्हें पवित्र बनाऊँगा। तुम मेरे हो।' क्या आज आप उनके पास आएँगे? अपना दिल यीशु को सौंप दें। उनसे अपना चरवाहा बनने के लिए कहें, और वह कभी आपको ठुकराएँगे नहीं। दुनिया के तौर-तरीकों को छोड़ दें और अपना जीवन पूरी तरह से यीशु को सौंप दें, और उनकी भेड़ बनकर एक पवित्र जीवन जीने का संकल्प लें।

वह आपके परिवार और आपके भविष्य को पुनःस्थापित करेंगे

प्रभु किन्हें इकट्ठा करेंगे और फिर से ठीक करेंगे? सबसे पहले, आपके परिवार के सदस्यों को।

प्रेरितों के काम 16:31 में कहा गया है, 'प्रभु यीशु पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।' जब आप प्रभु पर भरोसा करते हैं और उन पर विश्वास करते हैं, तो उनकी उद्धार करने वाली कृपा आपके परिवार को भी छू सकती है। परमेश्वर आपके परिवार के सदस्यों को अपने पास इकट्ठा करने और उन्हें अपनी संतान के रूप में बदलने में समर्थ हैं।

उस उड़ाऊ पुत्र के बारे में सोचिए। उसने पाप के कारण सब कुछ खो दिया था। उसने वह सब बर्बाद कर दिया जो उसके पिता ने उसे दिया था और आखिरकार अपमान और टूटे हुए मन की स्थिति में पहुँच गया। लेकिन जब वह सबसे बुरे दौर में था, तब उसकी आँखें खुलीं। उसे अपने पिता का घर याद आया और उसने लौटने का फैसला किया। उसने सिर्फ़ एक नौकर के तौर पर स्वीकार किए

जाने की गुज़ारिश करने की योजना बनाई थी। लेकिन जब उसके पिता ने उसे दूर से देखा, तो वे दया से भरे मन से उसकी ओर दौड़े और पुकारा, 'मेरे बेटे!' उन्होंने उसे सबसे अच्छा वस्त्र पहनाया, उसे फिर से बेटे का दर्जा दिया, उसकी उंगली में अंगूठी पहनाई और उसके लौटने पर दावत दी।

प्रभु आपके बच्चों के लिए भी यही करेंगे। मुझे वेल्लोर के गुड़ियाथम की केज़ियाल नाम की एक माँ की याद आती है, जिन्होंने हमारे साथ एक दिल को छू लेने वाली गवाही साझा की थी। उनका बेटा बुरी आदतों का शिकार हो गया था और बहुत तकलीफ़ में था। एक माँ के तौर पर, उन्होंने उसे खुद से दूर होते देखा, और उनका दिल दर्द और बेबसी से भर गया था। उस मुश्किल हालात में, वह 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' आई और प्रार्थना करने वालों के साथ मिलकर उनके बेटे के लिए पूरे दिल से प्रार्थना की और प्रभु से मदद की गुहार लगाई। प्रभु ने उनकी पुकार सुनी, और सिर्फ़ दो दिनों के भीतर, उनका बेटा उन बुरी लतों से पूरी तरह आज़ाद हो गया। जो बात इंसानों के लिए नामुमकिन लग रही थी, वह परमेश्वर के साथ मुमकिन हो गई।

'अच्छे चरवाहे' के लिए कोई भी बच्चा इतना दूर नहीं चला जाता कि उसे बचाया न जा सके। इसीलिए हमारे दिलों में यह गहरी इच्छा है कि बच्चे और युवा 'अच्छे चरवाहे' यीशु के साथ मिलकर चलें और अपनी ज़िंदगी के लिए उनके ऊँचे मकसद को पूरा करें।

इसी मकसद के साथ, हम 'युवा सहभागी योजना' के ज़रिए जन्म से लेकर 21 साल तक के बच्चों को, और 'युवा आशीष योजना' के ज़रिए 22 से 35 साल के युवाओं को सहारा देते हैं। हम उनके लिए ईश्वरीय सुरक्षा, समझदारी और खुशहाली की प्रार्थना करते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चों या पोते-पोतियों पर आशीष बनी रहे, तो कृपया उन्हें पृष्ट 11 पर बताए गए तरीके से रजिस्टर करें।

JOIN IN YPP

JOIN IN YBP

जैसा कि भजन संहिता 23 में प्रतिज्ञा की है, आपका 'अच्छा चरवाहा' आपका अच्छा चरवाहा आपको शांत पानी और हरे-भरे चरागाहों के पास ले जाएगा। वह आपकी ताकत को फिर से नया करेगा, आपकी आत्मा को ताज़ा करेगा और अपने नाम की खातिर आपको नेकी के रास्ते पर ले जाएगा।

शर्म से सम्मान की ओर

आखिरकार, प्रभु आपकी शर्म को सम्मान में बदल देंगे क्योंकि वह आपके जीवन के हर टूटे हुए हिस्से को फिर से बनाएंगे। वह आपके पारिवारिक जीवन को बहाल करेंगे और आपको फिर से पूरा करेंगे। **यशायाह 62:4 कहता है, 'तू फिर त्यागी हुई न कहलाएगी, और तेरी भूमि फिर उजड़ी हुई न कहलाएगी; परन्तु तू हेप्सीबा और तेरी भूमि ब्यूला कहलाएगी; क्योंकि यहोवा तुझ से प्रसन्न है, और तेरी भूमि सुहागन होगी।'**

आज, लोग आपको त्यागा हुआ कह सकते हैं। वे कह सकते हैं कि आपका जीवन टूट गया है। वे कह सकते हैं कि अब आपके लिए कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। लेकिन प्रभु कहते हैं, 'नहीं! मैं तुम्हें हेप्सीबा कहता हूँ। मैं तुझ से प्रसन्न हूँ।'

अलग हुए परिवार फिर से एक हो जाएंगे। टूटे हुए रिश्ते ठीक हो जाएंगे। जो लोग शादी का इंतज़ार कर रहे हैं, उन्हें आशीष मिलेगी। जो लोग बच्चों के लिए तरस रहे हैं, वे खुश होंगे। प्रभु, आपका अच्छा चरवाहा, आपके हर बोझ, हर आँसू और हर अनसुनी प्रार्थना की परवाह करते हैं।

चेन्नई की मैग्थालिन कहती हैं, 'मेरी बहन लिली और उनके पति गलतफहमियों के कारण तीन साल तक अलग रहे। इस टूटे हुए रिश्ते के बोझ से परेशान होकर, मैं नियमित रूप से 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' जाती थी और उनके फिर से एक होने के लिए दिल से प्रार्थना करती थी। उस समय, हम डॉ पॉल दिनाकरन से मिले, और उन्होंने हमारे परिवार के लिए प्रार्थना की और अंधेरे की ताकतों को डांटते हुए कहा, 'मैं इस परिवार पर शैतान की ताकत को डांटता हूँ।' परमेश्वर की चमत्कारी कृपा से, सिर्फ़ दो दिन बाद, मेरी बहन लिली के पति घर लौट आए। आज, लिली और उनके पति पूरी तरह से फिर से एक हो गए हैं और खुशी-खुशी एक परिवार के रूप में साथ रह रहे हैं।'

मेरे दोस्त, जो प्रभु ने लिली के परिवार के लिए किया, वह निश्चित रूप से आपके परिवार के लिए भी करेंगे। वह सब कुछ बहाल करेंगे जो आपने खो दिया है।

प्रार्थना:

प्यारे पिता, हर बिखरे हुए दिल और टूटे हुए परिवार को अपने शक्तिशाली हाथ से बहाल करें। यीशु, हमारे अच्छे चरवाहे, हर उस व्यक्ति को शांति, सम्मान और भरपूर आशीषों की ओर ले जाएं जो इसे पढ़ता है। आमीन।

Karunya
DEEMED UNIVERSITY
SOLVING HUMAN PROBLEMS
NAAC Accredited A++

33rd CONVOCATION CEREMONY

Knowledge, Character and Service

Karunya University celebrated its 33rd Convocation Ceremony, honouring the achievements of its graduating students and reaffirming its vision of nurturing professionals with knowledge, character, and a heart for service.

The ceremony was presided over by **Dr. Paul Dhinakaran, Chancellor,** who conferred degrees upon the graduates and encouraged them to embrace emerging technologies, pursue lifelong learning, and become innovators who create meaningful change. **Mr. Samuel Paul Dhinakaran, Vice President**, congratulated the graduating class and inspired them to lead with excellence, integrity, and compassion.

Delivering the Convocation Address, **Mr. R. Velusamy,** President – Automotive Business, Mahindra & Mahindra Ltd., and Managing Director, Mahindra Electric Automobile Ltd., motivated students to transform challenges into opportunities through innovation, resilience, and continuous learning. In recognition of his exemplary leadership and contributions to the automotive sector, he was conferred the **Honorary Degree of Doctor of Science (Honoris Causa)**.

The University also celebrated academic distinction through the **Chancellor's Awards**, recognising outstanding student achievers across various disciplines. Demonstrating Karunya University's commitment to compassion beyond the classroom, students presented **wheelchairs and battery-operated mobility scooters to persons with disabilities**, reflecting the institution's dedication to inclusive development and community service.

A momentous convocation with

Mr. R Velusamy

President, Automotive Business, Mahindra & Mahindra Ltd, Chennai. and Managing Director, Mahindra Electric Automobile Ltd, Chennai.

as Chief Guest and Doctorate Awardee

The 33rd Convocation was a celebration of achievement, gratitude, and new beginnings, as another generation of Karunya graduates stepped forward to serve society with competence, integrity, and purpose.

'Caps in the Air: Press Release Highlights'

Admissions '26

Closing Soon

PROGRAMS OFFERED

- ENGINEERING
- COMMERCE
- AGRICULTURE
- DIGITAL FORENSICS
- ARTIFICIAL INTELLIGENCE
- PHYSICAL SCIENCES
- HEALTH SCIENCES
- MEDIA
- MBA
- Online B.Com
- Online MBA

APPLY NOW!

Scan QR Code to Start the Admission Process

Karunya Institute of Technology and Sciences,

Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114. Tamil Nadu, India.
E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu

Toll Free: 1800 42 54 300, 1800 88 99 888

परिवार संदेश

आपके घर में शांति बनी रहेगी

मसीह में प्यारे परिवार, आज, प्रभु का आपके घर के लिए यशायाह 26:12 से एक सुंदर प्रतिज्ञा है:

'हे यहोवा, तू हमारे लिये शान्ति ठहराएगा, हम ने जो कुछ किया है उसे तू ही ने हमारे लिये किया है।'

हर आशीष, हर जीत और शांति का हर पल केवल प्रभु की ओर से ही मिलता है।

परमेश्वर के लोगों ने प्रभु के शक्तिशाली हाथ को अपनी ओर से काम करते हुए देखने के बाद ये शब्द गाए थे। हालाँकि दुश्मन उनके खिलाफ खड़े हुए थे, लेकिन प्रभु ने खुद उनके लिए लड़ाई लड़ी और उन्हें शांति दी। इसी तरह, आज आपका परिवार चाहे किसी भी लड़ाई का सामना कर रहा हो, आपको अकेले लड़ने की ज़रूरत नहीं है। प्रभु आपके साथ हैं, और वह आपके लिए लड़ेंगे।

आज कई परिवार ऐसे बोझ उठाए हुए हैं जिन्हें कोई और नहीं देख पाता। मुस्कान और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के पीछे, शायद कोई खामोश दर्द छिपा हो। कुछ घर पति-पत्नी या माता-पिता और बच्चों के बीच गलतफहमियों के बोझ तले दबे हैं। कुछ लोग आर्थिक तंगी, बीमारी, भावनात्मक घावों या अकेलेपन से जूझ रहे हैं।

शायद वह शांति जो कभी आपके घर में थी, धीरे-धीरे खत्म हो गई है। लेकिन प्रिय, प्रभु हर छिपे हुए आँसू को देखते हैं और हर खामोश पुकार को जानते हैं। आज, वह प्यार से कहते हैं, 'यह बोझ मुझे सौंप दो। मुझे तुम्हारे लिए यह लड़ाई लड़ने दो।'

दाऊद इस सच्चाई को गहराई से समझते थे। इसीलिए उसने भजन संहिता 57:2 में पुकारकर कहा, 'मैं परमप्रधान परमेश्वर को पुकारूँगा, उस परमेश्वर को जो मेरे लिए सब कुछ करता है।' हमारे परिवारों में कुछ लड़ाइयाँ सिर्फ़ बातों या इंसानी समझ से हल नहीं हो सकतीं। उनके लिए परमेश्वर के हस्तक्षेप की ज़रूरत होती है।

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

मरियम और मारथा के बारे में सोचिए। जब लाज़र की मृत्यु हुई, तो उनके घर में दुख छा गया। उनके दिल टूट गए थे, और सब कुछ खोया हुआ लग रहा था। फिर भी जब यीशु आए, तो वह उनके दुख में शामिल हुए और उनके साथ रोए।

अपने परिवार की लड़ाइयाँ परमेश्वर को सौप दें, और आपके घर में उसकी शांति बनी रहेगी

लेकिन यीशु सिर्फ़ आँसुओं तक ही सीमित नहीं रहे। वह उनकी नामुमकिन स्थिति में आए और लाज़र को कब्र से बाहर बुलाया। जो स्थिति निराशाजनक लग रही थी, उसे उसने अपनी शक्ति से बदल दिया।

इसी तरह, प्रभु आज भी आपके परिवार की दर्दनाक स्थितियों में दखल दे सकते हैं। वह उन रिश्तों में नई जान डाल सकते हैं जो खत्म हो चुके लगते हैं, जहाँ चोट पहुँची है वहाँ प्यार बहाल कर सकते हैं, और जहाँ कोई उम्मीद नहीं दिखती, वहाँ उम्मीद जगा सकते हैं।

परमेश्वर के लोगों ने प्रभु के शक्तिशाली हाथ को अपनी ओर से काम करते हुए देखने के बाद ये शब्द गाए थे। हालाँकि दुश्मन उनके खिलाफ खड़े हुए थे, लेकिन प्रभु ने खुद उनके लिए लड़ाई लड़ी और उन्हें शांति दी। इसी तरह, आज आपका परिवार चाहे किसी भी लड़ाई का सामना कर रहा हो, आपको अकेले लड़ने की ज़रूरत नहीं है। प्रभु आपके साथ हैं, और वह आपके लिए लड़ेंगे।

एक आशीष पाए परिवार का राज़

हम इस शांति में कैसे बने रह सकते हैं? नीतिवचन 28:14 कहता है, ' जो मनुष्य निरन्तर प्रभु का भय मानता रहता है वह धन्य है; परन्तु जो अपना मन कठोर कर लेता है वह विपत्ति में पड़ता है।' परमेश्वर से डरने का मतलब उससे भयभीत होना नहीं है। इसका अर्थ है उसका सम्मान करना, उस पर निर्भर रहना और उसके वचन का पालन करना।

एक बार मैंने सूरजमुखी का एक सुंदर खेत देखा। हर सूरजमुखी का फूल सूरज की ओर मुड़ा हुआ था, मानो स्वर्ग की ओर देख रहा हो। उस दिन, सूरजमुखी ने मुझे एक अनमोल सबक सिखाया।

जिस तरह सूरजमुखी हमेशा सूरज की ओर मुड़ा रहता है, उसी तरह हमें भी हर चीज़ के लिए प्रभु की ओर देखना चाहिए।

इसी तरह, हर परिवार को हर मामले में परमेश्वर की ओर देखना सीखना चाहिए। चाहे बच्चों की परवरिश हो, महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो, आर्थिक ज़िम्मेदारियाँ निभाना हो या मुश्किलों का सामना करना हो, हमें हर चीज़ के लिए उस पर निर्भर रहना चाहिए। तब उसका आशीर्वाद हमारे घर पर बना रहेगा।

भजन संहिता 138:8 कहता है, 'प्रभु मेरे लिए सब कुछ पूरा करेगा।' कितना सुकून देने वाली प्रतिज्ञा है! जब हम अपनी नज़रें उस पर टिकाए रखते हैं, तो वह हमारे परिवार से जुड़ी हर चीज़ की ज़िम्मेदारी लेता है।

जब यीशु उनकी लड़ाई में शामिल हुए

मैं डेज़ी रानी की गवाही से बहुत प्रभावित हुआ; वह एक हेडमिस्ट्रेस थीं और बीस वर्षों से 'परिवार आशीष योजना' की एक निष्ठावान सदस्य थीं।

अचानक, उनके परिवार पर एक मुश्किल दौर आया। वे जादू-टोने के कारण आध्यात्मिक दबाव में आ गए। डेज़ी रानी के दिल में डर बैठ गया, और परेशान करने वाली आवाज़ें लगातार उनके मन में गूँजती रहती थीं, 'तुम बेकार हो। तुममें कोई ताकत नहीं है। तुम असफल हो जाओगी।'

दिन-ब-दिन यह बोझ बढ़ता गया। डर, चिंता और भावनात्मक पीड़ा ने उनके घर को घेर लिया। उन्हें अपने परिवार और काम पर ध्यान केंद्रित करने में संघर्ष करना पड़ा और वे लगातार परेशानी में जी रही थीं।

इस दर्दनाक समय के दौरान, वह प्रार्थना के लिए बैतहसदा प्रार्थना केन्द्र आई। जब मैंने उनके लिए प्रार्थना की और उन पर हाथ रखा, तो मैंने यीशु के नाम से बुरी ताकतों को डाँटा और प्रार्थना की, 'प्रभु यीशु, कृपया अपनी बेटी को आज़ाद करें। डर की हर आत्मा उसे पूरी तरह से छोड़ दे।'

और उसी पल, प्रभु ने एक चमत्कार किया। डेज़ी रानी को पूरी तरह से छुटकारा मिला। यीशु के शक्तिशाली नाम से डर की आत्मा उन्हें छोड़कर चली गई। जिस भारीपन ने उन्हें दबा रखा था, वह पूरी तरह से हट गया। प्रभु ने उन्हें अपनी शांति से भर दिया और उनकी ताकत को नया कर दिया। वह शरीर, मन और आत्मा से पूरी तरह ठीक होकर घर लौटीं परमेश्वर की दया से उनके परिवार की खोई हुई शांति और सेहत वापस मिल गई।

प्यारे दोस्तों, वही यीशु आज आपके घर आ रहे हैं। आपकी शांति छीनने वाली कोई भी चीज़ हो,चाहे बीमारी हो, गलतफहमी, ज़ुल्म, चिंता या भावनात्मक दुख, प्रभु उसे दूर करने में समर्थ हैं। वे शांति के राजकुमार हैं।

अभी भी, प्रभु आपके परिवार पर अपना प्यार भरा हाथ बढ़ा रहे हैं। वे हर बोझ को हटा देंगे, हर बंधन को तोड़ देंगे और आपके घर में अपनी शांति बहाल करेंगे। बहुत जल्द, आपका परिवार भी खुशी मनाएगा और कहेगा, 'प्रभु ने हमारे लिए बड़े काम किए हैं।' इसलिए उन्हें थामे रहें। उन पर भरोसा रखें। उनका आदर-भय रखें। उन्हें अपने परिवार का मार्गदर्शन करने दें।

प्रभु आपके घर की रक्षा करेंगे और आपके परिवार में उसकी शांति बनी रहेगी।

परमेश्वर का
घर बनाएँ,
परमेश्वर आपका
घर बनाएगा

रांची प्रार्थना भवन के नवीनीकरण के लिए 'यीशु बुलाता है' का समर्थन करें

प्रभु कहते हैं, 'पहाड़ पर चढ़ जाओ और लकड़ी ले आओ और इस भवन को बनाओ; और मैं उसको देखकर प्रसन्न हूंगा, और मेरी महिमा होगी, यहोवा का यही वचन है।' हाग्गै 1:8

रांची प्रार्थना भवन एक ऐसी जगह रही है जहाँ हज़ारों लोगों ने परमेश्वर के प्रेम, शांति और चमत्कार करने वाली शक्ति का अनुभव किया है। जैसे-जैसे और लोग परमेश्वर की मदद पाने के लिए यहाँ आ रहे हैं, प्रभु ने हमें प्रार्थना के साथ इस प्रार्थना भवन को बड़ा और मज़बूत करने के लिए प्रेरित किया है।

इस दर्शन के तहत, हम पुरानी हो चुकी सुविधाओं को नया बना रहे हैं और प्रार्थना भवन में डिजिटल LED display और डिजिटल ऑडियो सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएँ लगा रहे हैं। हमारा मकसद आराधना के लिए एक ऐसा स्वागत-भरा और उत्साह बढ़ाने वाला माहौल बनाना है जो हर पीढ़ी के लोगों, खासकर युवाओं को प्रभु से जुड़ने के लिए प्रेरित करे। हम प्रभु को अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं और उनके घर को एक ऐसी जगह बनाना चाहते हैं जो बेहतरीन हो और लोगों के जीवन को बदलती रहे।

परमेश्वर से मिले इस दर्शन को पूरा करने के लिए, रु 3 करोड़ के 'फेथ बजट' (विश्वास पर आधारित बजट) की ज़रूरत है। इस विस्तार के ज़रिए, हम प्रार्थना के साथ झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से आने वाले हज़ारों और लोगों की सेवा करने की उम्मीद करते हैं जो परमेश्वर की मदद पाने के लिए आते हैं। आपका उदार दान अनगिनत लोगों को परमेश्वर के प्रेम का अनुभव करने, शांति पाने और उनके चमत्कारों को देखने में मदद करेगा।

एक चमत्कारिक नौकरी का ट्रांसफर

'CISF में केंद्र सरकार के कर्मचारी के तौर पर, मैं चार साल तक ONGC, हजीरा, सूरत में तैनात रहा। अपने घर से इतनी दूर होने के कारण परिवार के साथ समय बिताना मुश्किल हो रहा था। दिसंबर 2025 में, मैं रांची प्रार्थना भवन आया, प्रार्थना सहायक (इंटरसेसर) के साथ प्रार्थना की और अपनी प्रार्थना की अर्ज़ी दी, जिसमें मैंने प्रभु से घर के पास किसी जगह पर ट्रांसफर के लिए बहुत विनती की।

प्रभु ने चमत्कारिक रूप से प्रार्थनाओं का जवाब दिया, और सिर्फ़ दो महीने के अंदर, फरवरी 2026 में मेरा दिल्ली DMRC में सालाना ट्रांसफर हो गया। मैं परमेश्वर की वफ़ादारी के लिए उनकी स्तुति करता हूँ और प्रार्थना में मेरे साथ खड़े रहने के लिए रांची प्रार्थना भवन का धन्यवाद करता हूँ।'

-सोलोमन, बोकारो, झारखंड

रांची प्रार्थना भवन
बिल्डिंग फंड

इस रेनोवेशन प्रोजेक्ट में मदद करें:

₹5,000 | ₹10,000 | ₹25,000 | ₹50,000 | ₹1,00,000 | ₹5,00,000

या कोई भी राशि जो प्रभु आपको प्रेरित करें।

> **"इस रांची प्रार्थना भवन बिल्डिंग फंड जब आप परमेश्वर का घर बनाने में साथ देते हैं, तो प्रभु उन लोगों पर अपनी आशीष बरसाने का वादा करते हैं जो उनका सम्मान करते हैं (मलाकी 3:10)"**

Scan the QR code to donate or visit:
www.jesuscalls.org

हमारे साथ सेवा करें

इस जीवन बदलने वाली सेवा का हिस्सा बनें। अभी इनकी ज़रूरत है

✻ 1 क्षेत्रीय मिशन मैनेजर ✻ 4 इंटरसेशरी स्टाफ़ (प्रार्थना-सहायक स्टाफ़) ✻ 50 वॉलंटरी प्रार्थना इंटरसेसर (स्वयंसेवक प्रार्थना-सहायक) ✻ 50 एंबेसडर (प्रतिनिधि) ✻ 30 यूथ इंटरसेसर (युवा प्रार्थना-सहायक) ✻ 30 इवेंजलिस्ट (सुसमाचार प्रचारक)

boranchi@jesuscalls.org +91 63807 52243

प्रतिदिन के सुवचन

अगस्त 2026

1	**भजन संहिता 147:2 – प्रभु बनाता है** मनन: 1 शमूएल 25:28; 1 इतिहास 17:10; मत्ती 16:18
2	**भजन संहिता 37:5 – प्रभु इसे पूरा करेगा** मनन: 2 इतिहास 26:5; एज्रा 6:14; नहेम्याह 1:11; 6:16
3	**मत्ती 6:6 – प्रभु प्रतिफल देता है** मनन: अय्यूब 34:11; भजन संहिता 62:12; विलापगीत 3:64
4	**यशायाह 44:5 – आप प्रभु के हैं** मनन: लैव्यव्यवस्था 20:26; व्यवस्थाविवरण 14:2; यशायाह 43:1
5	**न्यायियों 6:12 – प्रभु आप के साथ है** मनन: यहोशू 1:5; यशायाह 41:10; फिलिप्पियों 4:9
6	**भजन संहिता 46:1 – प्रभु हमारा बल है** मनन: निर्गमन 15:2; भजन संहिता 118:14; यशायाह 49:5
7	**लैव्यव्यवस्था 26:4 – सही समय पर आशीषें** मनन: भजन संहिता 145:15; सभोपदेशक 3:11; इब्रानियों 4:16
8	**1 यूहन्ना 5:14 – परमेश्वर हमारी प्रार्थनाएँ सुनता है** मनन: न्यायियों 13:9; भजन संहिता 3:4; 18:6; मत्ती 20:29–34
9	**यिर्मयाह 30:17 – प्रभु हमारे घावों को चंगा करता है** मनन: अय्यूब 5:18; भजन संहिता 147:3; होशे 6:1
10	**व्यवस्थाविवरण 31:8 – प्रभु आप के आगे चलता है** मनन: निर्गमन 13:21; 33:14; भजन संहिता 68:7–8; यशायाह 45:2; 52:12
11	**यिर्मयाह 46:27 – प्रभु हमें बचाएंगे** मनन: भजन संहिता 62:1–2; दानिय्येल 3:28–29; रोमियों 10:9–10
12	**भजन संहिता 107:20 – प्रभु हमें चंगा करते हैं** मनन: 2 राजा 20:5–6; भजन संहिता 30:2; यशायाह 57:19
13	**प्रेरितों के काम 16:31 – प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करें** मनन: यूहन्ना 20:29; प्रेरितों के काम 19:4; रोमियों 10:11; गलातियों 2:15
14	**1 इतिहास 4:10 – कोई हानि नहीं होगी** मनन: उत्पत्ति 31:7; गिनती 23:21; भजन संहिता 10:6; 41:1
15	**निर्गमन 19:6 – आप परमेश्वर की पवित्र जाति हैं** मनन: व्यवस्थाविवरण 14:2; 26:19; एज्रा 8:28; 1 पतरस 2:9
16	**नीतिवचन 13:25 – आप तृप्त होंगे** मनन: रूत 2:1–18; नहेम्याह 9:21–25; मत्ती 5:6
17	**भजन संहिता 34:7 – प्रभु हमें छुड़ाते हैं** मनन: निर्गमन 6:6–7; 2 शमूएल 22:18–20; भजन संहिता 107:6
18	**यूहन्ना 14:23 – परमेश्वर प्रेम है** मनन: यूहन्ना 13:34; 15:9; इफिसियों 5:2; 1 यूहन्ना 4:9–11
19	**यशायाह 58:8 – आप की ज्योति चमकेगी** मनन: भजन 18:28; यशायाह 9:2; 58:10; मत्ती 5:14–16
20	**दानिय्येल 6:22 – परमेश्वर की सुरक्षा** मनन: उत्पत्ति 24:40; निर्गमन 23:20; भजन संहिता 41:2
21	**लूका 12:32 – प्रभु आपसे प्रसन्न हैं** मनन: भजन संहिता 41:11; यशायाह 62:4; यहेजकेल 20:41; मत्ती 3:16–17
22	**1 शमूएल 17:47 – युद्ध प्रभु का है** मनन: व्यवस्थाविवरण 1:30; 20:4; 2 इतिहास 20:15, 29
23	**भजन संहिता 121:7 – प्रभु आपको हर हानि से बचाएंगे** मनन: भजन संहिता 27:5; यिर्मयाह 17:17; सपन्याह 3:15
24	**नहेम्याह 13:2 – श्राप आशीष में बदल गया** मनन: उत्पत्ति 50:20; व्यवस्थाविवरण 23:5; जकर्याह 8:13
25	**यशायाह 25:8 – परमेश्वर हर आँसू पोंछ देंगे** मनन: भजन संहिता 56:8; यशायाह 38:5; प्रकाशितवाक्य 21:4
26	**नीतिवचन 2:8 – परमेश्वर विश्वासयोग्य लोगों की रक्षा करते हैं** मनन: 1 शमूएल 2:9; भजन संहिता 37:28; 97:10; 1 थिस्सलुनीकियों 5:23
27	**नीतिवचन 1:33 – प्रभु की बात सुनें** मनन: नीतिवचन 8:34; लूका 6:27; यूहन्ना 10:27
28	**उत्पत्ति 13:16 – प्रभु आपकी वृद्धि करेंगे** मनन: उत्पत्ति 16:10; व्यवस्थाविवरण 30:5; यहेजकेल 36:37; इब्रानियों 6:14
29	**लूका 1:45 – धन्य है वह जिसने विश्वास किया** मनन: उत्पत्ति 30:13; नीतिवचन 31:28–29; लूका 1:48
30	**1 राजा 3:13 – प्रभु धन देते हैं** मनन: उत्पत्ति 26:12–13; 2 इतिहास 1:11–12; 9:22; नीतिवचन 10:22
31	**एज्रा 7:6 – प्रभु का हाथ** मनन: 1 इतिहास 4:10; एज्रा 7:28; नहेम्याह 2:18; भजन 139:5

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

www.jesuscalls.org/hi/dpv
JESUS CALLS
SUBSCRIBE TO JESUSCALLS

सेवा-कार्य में मेरे प्रिय सहभागी, हमारे प्रभु यीशु मसीह के अनमोल नाम में आपको नमस्कार!

'यहोवा यरूशलेम को बसा रहा है; वह निकाले हुए इस्राएलियों को इकट्ठा कर रहा है।' (भजन संहिता 147:2)

कितना सुकून देने वाली प्रतिज्ञा है! हमारा परमेश्वर आज भी लोगों के जीवन को संवार रहा है, टूटी हुई चीज़ों को फिर से बना रहा है, और अपने कभी न बदलने वाले प्रेम से उन लोगों को इकट्ठा कर रहा है जो भटक गए थे। इस सेवा-कार्य के ज़रिए बदला हुआ हर जीवन उसकी वफ़ादारी का सबूत है, और आपकी साझेदारी ने आपको उस चमत्कार का हिस्सा बना दिया है।

आपकी साझेदारी का असर

पिछले कुछ हफ़्तों में, प्रभु ने हर 'आशीष सभा' को अपनी वफ़ादारी के शानदार सबूत में बदल दिया है।

21 जून को चेन्नई के क्रोमपेट स्थित 'न्यू लाइफ़ जेम्स चर्च' में हमारी रविवार की आशीष सभा में लगभग 1,000 लोग इकट्ठा हुए, जहाँ सैमूएल दिनाकरन ने परमेश्वर के जीवन बदलने वाले वचन को साझा किया। अगले रविवार, 28 जून को, डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन मेमोरियल प्रार्थना भवन में हुई रविवार की आशीष सभा में लगभग 1,500 लोग शामिल हुए, जहाँ मुझे परमेश्वर का वचन सुनाने का सौभाग्य मिला, और कई लोगों ने उसकी चंगाई, छुटकारा और भविष्यसूचक प्रोत्साहन का अनुभव किया। 5 जुलाई को, अन्ना नगर प्रार्थना भवन की 12 वीं वर्षगांठ की आशीष सभा परमेश्वर की वफ़ादारी का एक खुशी भरा जश्न थी, क्योंकि प्रार्थनाओं के जवाबों की गवाहियों ने हमारे दिलों को धन्यवाद से भर दिया।

11 जुलाई को बैतहसदा आशीष सभा में प्रभु ने ज़बरदस्त काम किया, जहाँ भारत भर से 6,000 से ज़्यादा लोग उसकी उपस्थिति और चमत्कारी शक्ति का अनुभव करने के लिए बेथेस्डा प्रेयर सेंटर में इकट्ठा हुए।

12 जुलाई को, सैमूएल दिनाकरन ने कोयंबटूर के अविनाशी स्थित 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' में सेवा की, जहाँ परमेश्वर के वचन ने वहाँ इकट्ठा हुए सभी लोगों को ताकत और हिम्मत दी। उसी दिन, मुझे कोयंबटूर के कार्मेल प्रार्थना भवन की 30 वीं वर्षगांठ के जश्न में सेवा करने की खुशी मिली, जहाँ परमेश्वर की उपस्थिति ने ज़बरदस्त काम किया और लोगों को बहुत आशीष दी।

इन सभी आशीष सभाओं में, प्रभु ने हमारे ज़रिए अपने कभी न बदलने वाले प्रेम और शक्ति को प्रकट किया। हम उसके हर भविष्यसूचक वचन, हर गवाही और हर चमत्कार के लिए उसकी स्तुति करते हैं। परिवार फिर से जुड़ गए, बीमार लोग चंगे हो गए, दम्पतियों को संतान का वरदान मिला, नामुमकिन लगने वाली प्रार्थनाएँ पूरी हुई, और बहुत से लोग नए विश्वास और उम्मीद के साथ घर लौटे।

हम अपने डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए इन सभाओं के बिना रुकावट लाइव प्रसारण के लिए भी परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जिससे अनगिनत लोग ऑनलाइन जुड़ सके और उनका आशीर्वाद पा सके।

मिनिस्ट्री के ज़रिए ज़िंदगी को बेहतर बनाना

परमेश्वर की कृपा से, यह मिनिस्ट्री हर दिन अनगिनत लोगों की ज़िंदगी में उम्मीद जगा रही है। अकेले पिछले महीने, लगभग 1.4 लाख लोगों ने हमारे प्रार्थना भवनों में

प्रार्थना करवाई, जबकि लगभग 3.53 लाख लोगों ने हमारी 24×7 प्रार्थना हेल्पलाइन के ज़रिए प्रार्थना की मदद ली, और 35,200 लोगों को 'डायल-ए-प्रेयर' सर्विस से सुकून मिला।

64 आउटरीच मीटिंग्स, 'राइज़ एंड बिल्ड' विशेष आशीष मीटिंग्स और मिशन नेटवर्क गैदरिंग्स के ज़रिए, लगभग 1.2 लाख लोगों को परमेश्वर के वचन और प्रार्थना से मज़बूती मिली। हम उन 3,500 बच्चों और युवाओं के लिए भी परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं जिन्हें हमारी युवा सभा और किड्स क्लब मिनिस्ट्रीज़ के ज़रिए आगे बढ़ने में मदद मिली। इसके अलावा, लगभग 60,900 चिट्ठियों और ईमेल का प्रार्थना के साथ जवाब दिया गया।

प्रभु ने हमारी डिजिटल मिनिस्ट्री के ज़रिए भी अपने काम को आगे बढ़ाया। 'यीशु बुलाता है' वेबसाइट और मोबाइल ऐप के ज़रिए एक लाख से ज़्यादा लोगों को आशीर्वाद मिला, जबकि हमारे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म मसीह के प्यार का संदेश लेकर 3.02 करोड़ से ज़्यादा लोगों तक पहुँचे। साथ ही, हमारी यीशु पुकारते हैं पत्रिका' और ई-मैगज़ीन लगभग तीन लाख पाठकों तक पहुँचीं, और हमें 45,570 युवा पार्टनर्स के जन्मदिन और 14,880 परिवार आशीष योजना पार्टनर्स की शादी की सालगिरह पर व्यक्तिगत रूप से उनके लिए प्रार्थना करने का सौभाग्य मिला।

> “आपकी साझेदारी से 3.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों तक मदद पहुँची है

प्रार्थना भवन मिनिस्ट्री: लगातार प्रार्थना के 43 साल

'अब से जो प्रार्थना इस स्थान में की जाएगी, उस पर मेरी आंखें खुली और मेरे कान लगे रहेंगे।' (2 इतिहास 7:15)

इस साल, हम बहुत ही आनंदित होकर 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन मिनिस्ट्री' के 43 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। जो शुरुआत प्रार्थना के एक भवन से हुई थी, वह अब परमेश्वर की कृपा से पूरे भारत में 102प्रार्थना भवनों में बदल गई है, जहाँ हर दिन हज़ारों लोग प्रभु के प्यार, सुकून और दया का अनुभव करने आते हैं।

चार दशकों से ज़्यादा समय से, हमारे समर्पित प्रार्थना करने वाले उन सभी लोगों के लिए लगातार प्रार्थना कर रहे हैं जो परमेश्वर की मदद पाने के लिए आते हैं। जब लोग प्रभु के सामने अपना बोझ रखते हैं, तो वह चमत्कार, चंगाई, बहाली और उम्मीद के साथ जवाब देते हैं। प्रार्थना की शक्ति से अनगिनत लोगों की ज़िंदगी बदल गई है, और हम परमेश्वर की अटूट वफ़ादारी के लिए उनकी स्तुति करते हैं।

ऐसी ही एक गवाही चेन्नई की अबिनया की है, जो खुशी-खुशी बताती हैं: 'मेरे पिता की आँख में चोट लग गई थी, और उसके कारण वहाँ एक गाँठ बन गई थी। जब डॉक्टरों को शक हुआ कि यह कैंसर हो सकता है, तो हम बहुत डर गए। हमने तुरंत 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' से संपर्क किया और प्रार्थना में प्रभु से मदद माँगी। परमेश्वर की कृपा से, डॉक्टरों ने पुष्टि की कि यह कैंसर नहीं था, और जल्द ही वह गाँठ पूरी तरह से गायब हो गई। हम इस अद्भुत चमत्कार के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं।'

यह उन सैकड़ों गवाहियों में से सिर्फ़ एक है जो प्रार्थना भवन मिनिस्ट्री के ज़रिए आगे बढ़ना।

जैसे-जैसे ज़्यादा से ज़्यादा लोग सुकून, चंगाई और परमेश्वर की मदद पाने के लिए आ रहे हैं, हमारे प्रार्थना भवनों को बढ़ाने की ज़रूरत भी बढ़ती जा रही है। इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए, रांची प्रार्थना भवन को नया रूप दिया जा रहा है ताकि एक बड़ी और स्वागत करने वाली जगह बनाई जा सके, जहाँ और भी ज़्यादा लोग व्यक्तिगत प्रार्थना पा सकें और परमेश्वर की मौजूदगी और चमत्कारों का अनुभव कर सकें।

अगर प्रभु आपको प्रेरित करते हैं, तो मैं आपको इस विज़न (दर्शन) में प्रार्थना के साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित करता हूँ। रांची प्रार्थना भवन के नवीनीकरण और आप इस काम का हिस्सा कैसे बन सकते हैं, इस बारे में और जानने के लिए कृपया पृष्ट 12 देखें।

प्रेयर एकेडमी: प्रेयर एंड प्रोफ़ेटिक एम्पावरमेंट कोर्स का 5 वाँ बैच शुरू

'जिस से पवित्र लोग सिद्ध हों जाएं, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए।'

(इफिसियों 4:12)

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि प्रेयर एंड प्रोफ़ेटिक एम्पावरमेंट (PPE) कोर्स का 5 वाँ बैच 22 जून को यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में प्रार्थना के साथ शुरू हुआ और परमेश्वर की कृपा से बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है।

300 से ज़्यादा विश्वासियों ने इस छह महीने के कोर्स के

पहले चार बैच सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। आज, मुझे 5 वें बैच में लगभग 190 प्रतिभागियों को देखकर खुशी हो रही है, जो परमेश्वर के वचन में बढ़ने और प्रार्थना व भविष्यसूचक सेवा (प्रोफ़ेटिक मिनिस्ट्री) में तैयार होने के लिए पूरी लगन से तैयारी कर रहे हैं। हमारे कई ग्रेजुएट अब यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री के ज़रिए प्रभु की निष्ठा से सेवा कर रहे हैं और प्रार्थना के माध्यम से ज़रूरतमंदों की मदद कर रहे हैं।

अगर प्रभु आपके दिल में दूसरों के लिए आशीष का कारण बनने की इच्छा जगा रहे हैं, तो मैं आपको प्रेयर एंड प्रोफ़ेटिक एम्पावरमेंट कोर्स के अगले बैच में शामिल होने के लिए दिल से आमंत्रित करता हूँ। एनरोल करने के लिए, कृपया prayeracademy@jesuscalls.org पर लिखें। जानकारी के लिए, कृपया 6380752257 या 9940181188 पर संपर्क करें।

प्रभु आपको अपने राज्य के लिए एक शक्तिशाली मध्यस्थ (intercessor) के रूप में खड़ा करें और अपनी महिमा के लिए आपका शक्तिशाली रूप से इस्तेमाल करें।

रोजगार आशीष योजना: अपने करियर के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें

'हमारे परमेश्वर यहोवा की मनोहरता हम पर प्रगट हो, तू हमारे हाथों का काम हमारे लिये दृढ़ कर, हमारे हाथों के काम को दृढ़ कर।' (भजन संहिता 90:17)

जब आप यह पढ़ रहे हैं, तो हो सकता है कि आप नौकरी, प्रमोशन, मनचाहे ट्रांसफर या अपने करियर के लिए परमेश्वर से मार्गदर्शन की प्रार्थना कर रहे हों। अगर ऐसा है, तो हिम्मत रखें, हमारा परमेश्वर भरोसेमंद है। वह आपके हाथों के काम को सफल बनाएगा।

इस 17 अगस्त को, 'रोजगार आशीष योजना' अपनी सेवा के सातवें साल में प्रवेश कर रहा है, और इस आशीष योजना में 50,384 से ज़्यादा पार्टनर शामिल हो चुके हैं। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं कि इन सालों में उन्होंने कई लोगों के जीवन में अद्भुत गवाहियाँ दी हैं। प्रभु ने बार-बार हमारे 'रोजगार आशीष योजना' के पार्टनर्स के विश्वास और उनके त्याग भरे दान का सम्मान किया है, उनके लिए नए रास्ते खोले हैं, प्रमोशन दिलाए हैं, खोए हुए मौके वापस दिलाए हैं और उनके प्रोफेशनल जीवन में चमत्कार किए हैं। **झाँसी, जिन्होंने अपने बेटे को 'रोजगार आशीष योजना' में शामिल किया था, ने खुशी-खुशी बताया कि प्रभु ने उसके करियर में एक बड़ी सफलता दिलाई। सरकारी नौकरी पाने की 10 साल की लंबी कोशिश के बाद, प्रभु ने उसके लिए सरकारी परीक्षा पास करने का रास्ता खोला, और अब वह केंद्र सरकार में एक पद पर काम कर रहा है।**

अगर आप भी अपने करियर में बड़ी सफलता की चाहत रखते हैं, तो हम आपके लिए प्रार्थना करने के लिए यहाँ हैं। आप भी www.jesuscalls.org पर जाकर 'रोजगार आशीष योजना' में शामिल हो सकते हैं।

दम्पति एस्तेर प्रार्थना ग्रुप (CEPG)

'फिर मैं तुम से कहता हूं, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे मांगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी।'

(मत्ती 18:19)

21 अगस्त मेरी प्यारी माँ, बहन स्टेल्ला दिनाकरन के लिए एक खास दिन है, क्योंकि इसी दिन उन्होंने अपना दिल प्रभु को सौंपा था और अपना जीवन उनकी सेवा के लिए समर्पित किया था। तब से, परमेश्वर ने उनका ज़बरदस्त इस्तेमाल किया है, खासकर महिलाओं की सेवा करने में।

प्रभु की अगुवाई में, उन्होंने 5 अगस्त, 2017 को 'दम्पति एस्तेर प्रार्थना ग्रुप' (CEPG) की शुरुआत की। इसका मकसद पति-पत्नी को एक साथ मिलकर परमेश्वर की खोज करने के लिए प्रोत्साहित करना था। अकेले पिछले साल ही, 60 नए परिवार CEPG से जुड़े, जिससे प्रार्थना में एकजुट दम्पतियों की कुल संख्या 210 हो गई है। जैसे-जैसे दम्पति मिलकर प्रभु की खोज करते हैं, वे अपने घरों में रिश्तों का सुधार, ईश्वरीय सफलता, नया प्यार और परमेश्वर की भरपूर आशीषें पाते हैं।

अगर आप 'दम्पति एस्तेर प्रार्थना ग्रुप' का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो कृपया epg@jesuscalls.org पर लिखें।

कृपया इन आने वाले कार्यक्रमों को अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें:

खास आशीष सभा

✻ 26 अगस्त – खास आशीष सभा, कंबन कलाई अरंगम, पुडुचेरी प्रार्थना भवन सभाएँ

✻ 1 और 2 अगस्त – सभी प्रार्थना भवनों में 'राइज़ एंड बिल्ड' (Rise & Build) सभाएँ

✻ 8 अगस्त – राउरकेला प्रार्थना भवन संबलपुर में मिशन नेटवर्क मीटिंग आयोजित करेगा।

✻ 12 अगस्त – अंबिकापुर प्रार्थना भवन सीतापुर में खास आशीष सभा आयोजित करेगा।

✻ 19 अगस्त – मोसारब प्रार्थना भवन वनस्थलीपुरम में आउटरीच मीटिंग आयोजित करेगा।

✻ 26 अगस्त – थेनी प्रार्थना भवन औंडीपट्टी में आउटरीच मीटिंग आयोजित करेगा।

इनके अलावा, पूरे भारत में मौजूद सभी 102 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' के ज़रिए कई और आउटरीच मीटिंग्स और खास सभाएँ आयोजित की जा रही हैं। अगर आप इन आशीष भरी सभाओं में शामिल होना चाहते हैं, तो अपने इलाके में होने वाली सभाओं के बारे में जानने के लिए कृपया अपने नज़दीकी प्रार्थना भवन से संपर्क करें।

ऑनलाइन मीटिंग

इस अगस्त में होने वाली मीटिंग्स ऑनलाइन प्रार्थना उत्सव:

✲ 15 अगस्त (शनिवार) | सुबह 11:00 बजे – अंग्रेज़ी और हिंदी में

'यीशु बुलाता है' YouTube **चैनल पर लाइव देखें।**

ज़ूम (Zoom) के ज़रिए पार्टनर्स की मीटिंग्स

23 अगस्त (शनिवार) – खास तौर पर युवा सहभागियों और युवा आशीष सहभागियों के लिए

✲ शाम 4:00 बजे – तमिल

✲ शाम 6:00 बजे – अंग्रेज़ी, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम

30 अगस्त (शनिवार) – 'यीशु बुलाता है' पार्टनर्स के लिए

✲ शाम 4:00 बजे – तमिल

✲ शाम 6:00 बजे – अंग्रेज़ी, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम

इन ज़ूम मीटिंग्स के दौरान, मैं और मेरा परिवार व्यक्तिगत रूप से आपकी उन प्रार्थना-निवेदनों के लिए प्रार्थना करेंगे जो लाइव शेयर की जाएंगी। ज़ूम मीटिंग ID और जुड़ने की जानकारी पार्टनर्स के साथ ईमेल और WhatsApp के ज़रिए शेयर की जाएगी।

मैं आपको पूरे विश्वास और उम्मीद के साथ इन मीटिंग्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूँ, और प्रभु की चमत्कार करने वाली शक्ति पर भरोसा रखने के लिए कहता हूँ।

हमारे साथ इस सफ़र में चलने के लिए धन्यवाद

प्रिय सहभागी, आपकी वफ़ादार साझेदारी के लिए एक बार फिर धन्यवाद। आपकी हर प्रार्थना, आपका हर दान और प्यार का आपका हर काम एक कभी न खत्म होने वाला बदलाव ला रहा है। एक दिन स्वर्ग में, आप उन लोगों से मिलेंगे जिनकी ज़िंदगी बदल गई क्योंकि आपने इस मिनिस्ट्री के साथ खड़े होने का फ़ैसला किया। कितनी खुशी की बात होगी वह! तब तक, आइए हम खुशी के साथ मिलकर प्रभु की सेवा करते रहें, यह जानते हुए कि उनके राज्य में बोया गया हर बीज हमेशा रहने वाला फल देगा।

प्रभु आपके जीवन के हर हिस्से को फिर से बनाएँ, आपके हाथों के काम को स्थापित करें, आपके परिवार के लिए तैयार की गई हर आशीष को इकट्ठा करें, और भजन संहिता 147:2 में की गई अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार आपके जीवन को अपनी वफ़ादारी का एक चमकता हुआ गवाह बनाएँ।

आपका भाई, जो आपके लिए प्रार्थना करता है,

डॉ पॉल दिनाकरन

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

BANK TRANSFER:

Bank	Beneficiary	A/c No.	IFSC
IndusInd	JESUS CALLS	555444333222111	INDB0000167
ICICI	JESUS CALLS	000901056144	ICIC0000009

Please share your donation detail to us through Whatsapp to 98409 99923

Website: **www.jesuscalls.org/donate**

Jesus Calls Mobile app (available in Android & iOS)

EMO/CHEQUE /DD

- **Write in favour of "JESUS CALLS"**
- **Can be sent by speed post to: Prayer Tower, 16, D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600028.**
- **In person: At the prayer tower in your area**

For donation related/partner plans/receipts related queries, please call 044 23456677 or Whatsapp 98409 99923.
For 24x7 Prayer support, please call 8546999000

प्रभु में सदा आनन्दित रहो

(फिलिप्पियों 4:4)

- बहन स्टेल्ला दिनाकरन

'प्रभु में आनन्दित रहने' की अवस्था परमेश्वर द्वारा दिया गया एक आशीषमय जीवन है।

'...सारी दुनिया उस दुष्ट के वश में पड़ी है।'

(1 यूहन्ना 5:19)

'उसने (शैतान, दुश्मन ने) मुझे ढेर दिन के मरे हुओं के समान अन्धेरे स्थान में डाल दिया है।'

(भजन संहिता 143:3)

'तुम्हारा विरोधी शैतान, दहाड़ते हुए शेर की तरह घूमता रहता है और ढूँढ़ता रहता है कि किसे फाड खाए।'

(1 पतरस 5:8)

ऐसे अन्धकार से निकलकर यीशु के साथ, जो ज्योति है, जीना एक आशीषमय जीवन है। यूहन्ना के चौथे अध्याय में, हम एक सामरी स्त्री के पापपूर्ण लेकिन दयनीय जीवन के बारे में पढ़ते हैं। दुनिया की वासनाओं और इच्छाओं से भरी हुई, वह अन्धकार में जी रही थी। हालाँकि, हम पढ़ते हैं कि कैसे वह प्रभु के पास आई और उनके जीवित वचनों के माध्यम से उसे एक दिव्य जीवन मिला, जसमें ज्योति, अच्छे फल और गवाही थी।

'धर्मी लोग बहुत आनन्दित होते हैं'
(भजन संहिता 68:3)

परमेश्वर के स्वर्गदूतों ने चरवाहों को मसीह के जन्म का शुभ समाचार सुनाया और उन्हें आनन्दित किया। हाँ, यीशु इस दुनिया में उद्धारकर्ता के रूप में जन्मे।

आज, आप में से कितने लोग या कितने परिवार प्रभु यीशु मसीह के बारे में जानते हैं और उस उद्धार के आनन्द से भरे हैं, जो उन्होंने हमें क्रूस पर अपने बलिदान और लहू बहाने के द्वारा दिया है?

एक बार, प्रभु, जो मनुष्य का रूप धारण करके इस दुनिया में आए थे, यरीहो नामक शहर से गुज़रे। उस समय, ज़क्कई नाम का एक व्यक्ति जो कद में छोटा था और मुख्य कर-संग्राहक (टैक्स कलेक्टर) था, उनसे मिला और अपने परिवार के साथ उनका उद्धार, आनन्द और शांति प्राप्त की। क्या हम लूका 19:1-10 में इसके बारे में नहीं पढ़ते? अपने दिल की तीव्र इच्छा के कारण, वह इस दिव्य जीवन को प्राप्त करने में सफल रहा।

आज, आप में से कितने लोग ज़क्कई की तरह 'प्रभु को देखना और उन्हें जानना' चाहेंगे? आज भी, ऐसे लोग और उनके परिवार उनके उद्धार से भर जाएँगे, जिससे उन्हें भरपूर आनन्द और आशीषें मिलेंगी। एक युवा महिला, जिसे प्रभु के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी, केवल दुनिया की सुख-सुविधाओं की तलाश में थी और बहुत बुरी हालत में जी रही थी। नतीजतन, उसने अपनी सारी खुशी खो दी थी और उलझन में थी, दर्द और तकलीफ से जूझ रही थी। ऐसे समय में, उसने अपनी एक सहेली के जीवन पर ध्यान दिया, जो हमेशा खुशी से भरी रहती थी क्योंकि वह परमेश्वर से डरती थी और उन पर भरोसा रखती थी। खुशी और आनंद से भरे इस दिव्य जीवन को देखकर, उस लड़की ने भी पूरी लगन से परमेश्वर को खोजना शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप वह भी खुशी से भर गई और उसे प्रभु का पूरा आशीर्वाद मिला।

प्रिय लोगों, खासकर युवा महिलाओं, बाइबिल में अब्राहम, इसहाक और याकूब जैसे परमेश्वर के सेवकों के

जीवन के बारे में पढ़ें। उन्होंने पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ प्रभु को खोजा और इसलिए उन्हें एक आनंदमय और खुशहाल जीवन मिला। इसी तरह, इस दिव्य जीवन को पाने के लिए, आपको भी विनम्र होना चाहिए और अपना जीवन प्रभु को सौंप देना चाहिए।

आशा में आनंद (रोमियों 12:12)

भजन संहिता 26:1 में दाऊद कहते हैं, 'मैंने प्रभु पर भरोसा रखा है; मैं कभी नहीं डगमगाऊंगा।' भजन संहिता 23:1 में, वह अपने जीवन में मिले आशीर्वाद के बारे में स्पष्ट रूप से कहते हैं: 'प्रभु मेरा चरवाहा है; मुझे किसी चीज़ की कमी नहीं होगी।' भजन संहिता 56:4,11 में वह निडर होकर कहते हैं, 'मैंने परमेश्वर पर भरोसा रखा है; मैं नहीं डरूंगा। मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?' इसी तरह, जब उन्होंने सब कुछ खो दिया था और उनके पास कुछ नहीं बचा था, तब भी उन्हें प्रभु पर अटूट भरोसा था, जिसके कारण उन्होंने जो कुछ भी खोया था, वह सब वापस पा लिया, जैसा कि 1 शमूएल 30:19 में देखा जा सकता है। इसका कारण केवल प्रभु परमेश्वर पर दाऊद का मज़बूत भरोसा था।

भजन संहिता 62:5 में वह क्या कहते हैं? 'हे मेरे मन, चुपचाप केवल परमेश्वर की प्रतीक्षा कर, क्योंकि मेरी आशा उन्हीं से है।' चूँकि उन्हें केवल प्रभु पर ही पूरा भरोसा था, इसलिए उन्होंने अपने जीवन में प्रभु द्वारा दी गई समृद्धि का आनंद लिया, जैसा कि नीतिवचन 28:25 में देखा जा सकता है। भजन संहिता 23:6 में वह कहते हैं, 'निश्चित रूप से भलाई और दया मेरे जीवन के सभी दिनों में मेरे साथ रहेगी।' दाऊद, जो एक साधारण चरवाहा लड़का था, उसे एक प्रतिष्ठित राजा के पद तक ऊँचा उठाया गया। नहूम 1:7 के अनुसार, 'प्रभु उन्हें जानते हैं जो उस पर भरोसा रखते हैं।' बाइबल में हन्ना नाम की एक महिला का ज़िक्र है, जिसकी कोई संतान नहीं थी; वह बहुत रोई और प्रभु के सामने अपने दिल की बात कही। 1 शमूएल के पहले अध्याय की 27 वीं आयत में, हम उसे अपने बच्चे को प्रभु को समर्पित करते हुए देखते हैं, यह कहते हुए: 'इसी बच्चे के लिए मैंने प्रार्थना की थी, और प्रभु ने मेरी वह विनती पूरी की जो मैंने उससे की थी।' प्रभु ने उसे आशीष दी और उसे एक महान भविष्यवक्ता बना दिया।

मेरी शादी के कुछ साल बाद, मुझे संतान न होने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा। तब मैंने लगातार प्रभु से विनती करना शुरू किया, जिसके कारण प्रभु ने मुझे मेरे प्यारे बेटे पॉल दिनाकरन का आशीर्वाद दिया। आज, प्रभु अपने नाम की महिमा के लिए उसे अपने एक शक्तिशाली सेवक के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे परमेश्वर ही हैं जो हमें उन दिनों के अनुसार खुशी देते हैं जिनमें हमने दुख देखा है।

प्रिय पाठक, मैं आपको प्रोत्साहित करती हूँ कि निराशाजनक स्थितियों में भी प्रभु पर मज़बूती से भरोसा रखें और बिना रुके धन्यवाद के साथ प्रार्थना करें। तब प्रभु आपको ऐसी आशीष देंगे कि आप आनंदित होंगे और उनके लिए एक गवाह बनेंगे।

तुममें मसीह, महिमा की आशा (कुलुस्सियों 1:27)

हाँ, प्रियजनों, चूँकि आप हमेशा दुनिया के लोगों से घिरे रहते हैं, हो सकता है कि आप बिना किसी शांति के आँसुओं में जी रहे हों। हालाँकि, प्रभु यीशु मसीह के द्वारा, हमें यह सौभाग्य मिलता है कि...हम परमेश्वर की महिमा पाने की अपनी आशा के कारण उसकी कृपा में प्रवेश करते हैं। हम प्रभु पर अपने भरोसे और आशा के लिए आनंदित होते हैं। स्वर्ग से भेजी गई पवित्र आत्मा से भर जाएं और अपनी पूरी आशा उस कृपा पर रखें जो यीशु मसीह के प्रकट होने पर आपको मिलेगी (1 पतरस 1:12,13)।

प्रियजनों, हम अंतिम दिनों में आ गए हैं। क्या हम व्यक्तिगत रूप से और परिवार के तौर पर आदर और पवित्रता के साथ जी रहे हैं, जिससे प्रभु प्रसन्न हों? अपने जीवन की जाँच करें! क्या आप अंधेरे में जी रहे हैं, इस दुनिया, शरीर और शैतान के गुलाम बनकर और दुनिया की सुख-सुविधाओं की तलाश में हैं? या क्या आप परमेश्वर की आत्मा से भरे हुए हैं - जो यीशु के शिष्यों और उनके साथ रहने वालों के पास थी - और उनके लिए अच्छे फल देने वाला दिव्य जीवन जी रहे हैं? हमारे लिए एक आदर्श के रूप में, हम देखते हैं कि प्रभु यीशु का भी पवित्र आत्मा और शक्ति से अभिषेक हुआ था और वे लोगों के लिए एक आशीष थे, जैसा कि प्रेरितों के काम 10:38 में देखा गया है। क्या आप आदर, विश्वास और आत्मा के साथ प्रभु की महिमा करने वाला जीवन जी रहे हैं, बहुत से लोगों को बुरे रास्तों से हटा रहे हैं, और पवित्र आत्मा की शक्ति से भरे हुए हैं - ठीक वैसे ही जैसे उन शिष्यों के साथ हुआ था जिन्होंने उन पर भरोसा किया था, जैसा कि प्रेरितों के काम के दूसरे अध्याय में देखा गया है? व्यक्तिगत रूप से और परिवार के तौर पर स्वर्गीय पिता की ओर देखें और पवित्र आत्मा से भरे जाने के लिए उनसे विनती करें और उनकी भरपूर आशीषें प्राप्त करें। प्रभु के वचन के अनुसार, 'वह उन्हें देगा जो उससे मांगते हैं' (लूका 11:13)।

हमारे परिवार के मुखिया भाई दिनाकरन का अनुसरण करते हुए, प्रभु ने हममें से प्रत्येक को अपनी पवित्र आत्मा से

भरा है और आज तक अपनी महिमा के लिए अद्भुत ढंग से हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। इसी तरह, आपको और आपके परिवार को प्रभु पर भरोसा रखना चाहिए और आत्मा के आनंद से भरना चाहिए। उनके लिए उठने और चमकने का संकल्प लें और पवित्र आत्मा की भरपूरता पाएं; उनकी भरपूर आशीषें पाएं और उनके नाम की महिमा के लिए उठें और चमकें।

प्रभु ने मुझे हिम्मत और दिलासा दिया!

24.06.2026 को, मैं जेसी हाउस प्रार्थना भवन गई और बहन क्रिस्टी ने मेरे लिए प्रार्थना की। उस समय उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं एस्तेर प्रार्थना ग्रुप का संचालन करने के लिए तैयार हूँ, और मैंने भी सहमति दे दी। उन्होंने आगे कहा कि एस्तेर प्रार्थना ग्रुप चलाने के लिए दिशा-निर्देश पाने के लिए मैं सिस्टर जेयारानी से संपर्क करूँ। उसी शाम बहन जेयारानी ने मुझसे संपर्क किया और कहा, 'यह एस्तेर प्रार्थना ग्रुप मिनिस्ट्री परमेश्वर द्वारा प्रिय मदर स्टेल्ला दिनाकरन को दिया गया एक विज़न (दर्शन) है। जब वह कार दुर्घटना में अपनी बेटी एंजेल को खोने के कारण दुख में थीं, तब प्रभु ने उन्हें 31.03.1988 को यह एस्तेर प्रार्थना ग्रुप मिनिस्ट्री दी थी। आज, वह इस मिनिस्ट्री को चार तरीकों से चला रही हैं।' उन्होंने इस मिनिस्ट्री के बारे में विस्तार से बताया और मैंने उत्साहपूर्वक जवाब दिया, 'मेरे 17 साल के बेटे को खोए हुए एक साल हो गया है। प्रभु ने मुझ जैसे टूटे हुए दिल वाले लोगों के आँसू पोंछने के लिए यह ए एस्तेर प्रार्थना ग्रुप मिनिस्ट्री दी है। इससे मुझे बहुत दिलासा मिला है। अगर यह मार्गदर्शन न मिला होता, तो मैं हमेशा आँसू और दुख में डूबी रहती।' इस तरह मुझे हिम्मत मिली।

बहन जेयारानी मेरे घर आईं और प्रार्थना करवाई। इसके ज़रिए प्रभु ने मुझे हिम्मत और दिलासा दिया। साथ ही, प्रार्थना के बिंदु - 4, 9 और 16 - पूरी तरह से मुझसे संबंधित थे। प्रभु का दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझे इतने प्यार से आगे बढ़ाया और प्रिय माँ स्टेल्ला का भी धन्यवाद!

- बहन ब्यूला रेकाह, चेन्नई

''मेरी नम्रता ने महत्व दिया है।''
भजन संहिता 18:35

हमें 'युवा आशीष योजना' शुरू करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक खास प्रार्थना पहल है जो पूरी तरह से युवाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। 'युवा आशीष योजना' के साथ जुड़कर, आप हमारे अलग-अलग जीवन बदलने वाले युवा प्रोग्राम और गतिविधियों के ज़रिए हज़ारों युवाओं तक पहुँचने में हमारी मदद करते हैं। ऐसा करने से, आप भी जीवन की समस्याओं और अनिश्चितताओं से निकलकर परमेश्वर की प्यार भरी देखभाल, मार्गदर्शन और दिव्य मकसद की ओर बढ़ सकते हैं। सच्ची प्रार्थनाओं के ज़रिए, परमेश्वर की असीम कृपा नए दरवाज़े खोले, आपको सही अवसरों तक ले जाए और आपको उस शानदार भविष्य की ओर ले जाए जो उसने आपके लिए तैयार किया है।

परमेश्वर ने मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा जवाब दिया

'अपनी B.Tech. पूरी करने के बाद, मुझे आर्थिक मुश्किलों और अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ा। हर नौकरी के इंटरव्यू से उम्मीद तो जगती थी, लेकिन देरी की वजह से अक्सर मैं निराश हो जाता था। मैंने डॉ पॉल दिनाकरन को प्रार्थना के लिए लिखा। अंकल ने मेरी परीक्षाओं और इंटरव्यू के लिए पूरे दिल से प्रार्थना की और परमेश्वर के वचन से मेरा हौसला बढ़ाया। उन प्रार्थनाओं ने मेरे विश्वास को नया किया, और प्रभु ने मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा जवाब दिया; उसने मुझे हैदराबाद में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) में एक प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी का आशीर्वाद दिया। मैं इस प्यार भरी प्रार्थना सहायता और परमेश्वर की कभी न बदलने वाली वफ़ादारी के लिए बहुत आभारी हूँ।'

– जी. लिखिल कुमार

युवा आशीष योजना में क्या-क्या मिलता है:

आपके भविष्य के लिए प्रतिदिन प्रार्थना:

हर दिन, 'प्रार्थना भवन' में समर्पित प्रार्थना करने वाले लोग परमेश्वर के सामने आपका नाम और आपकी निजी चिंताएँ रखते हैं।

आपके जीवन के पाँच अहम हिस्सों के लिए खास प्रार्थनाएँ की जाती हैं:

✲ आध्यात्मिक जीवन ✲ उच्च शिक्षा ✲ करियर और आर्थिक स्थिति ✲ स्वास्थ्य ✲ शादी और पारिवारिक जीवन

युवा आशीष सहभागी के तौर पर, आपको ये चीज़ें मिलेंगी:

- ✲ 'प्रार्थना भवनों' के ज़रिए आपकी खास प्रार्थना की ज़रूरतों के लिए निजी प्रार्थना सहायता।
- ✲ आपके जन्मदिन पर एक खास प्रार्थना कॉल।
- ✲ डॉ पॉल दिनाकरन और उनके परिवार की ओर से प्रार्थना सहायता।
- ✲ आपके स्थानीय के पास आयोजित युवा सभाएं और विशेष सभाओं का निमंत्रण।
- ✲ सबसे नजदीक के 'प्रार्थना भवन' से जुड़कर संगीत, आराधना और दूसरी प्रतिभाओं के ज़रिए सेवा करने के मौके।

✲ जो लोग इस सेवा कार्य में रु 20,000 से ज़्यादा का उदारतापूर्वक सहयोग करते हैं, उन्हें हम दिनाकरन परिवार की ओर से ऑटोग्राफ़ की हुई बाइबल भेजना चाहेंगे।

✲ जो लोग इस सेवा कार्य में रु 30,000 से ज़्यादा का निष्ठापूर्वक सहयोग करते हैं, उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए हम उन्हें बैतहसदा प्रार्थना केंद्र में दो दिन और एक रात ठहरने के लिए आमंत्रित करना चाहेंगे। साथ ही, उन्हें बैतहसदा शहर में गेस्ट हाउस में एक कमरे में ठहरने और कारुण्या यूनिवर्सिटी की प्रयोगशालाओं व कैंपस के दौरे जैसी सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा।

आज ही 'युवा आशीष योजना' से जुड़ें।

युवाओं के लिए आशीर्वाद का ज़रिया बनें। अपने जीवन के लिए परमेश्वर का सर्वश्रेष्ठ आशीर्वाद पाएँ।

हम आपसे रु 10,000 (एक बार) या हर महीने रु 200 या उससे ज़्यादा दान करने का आग्रह करते हैं।

वेबसाइट: www.jesuscalls.org/ybp | ईमेल: ybp@jesuscalls.org |
कॉल/WhatsApp: +91 98409 00477 | गवाही: testimony@jesuscalls.org

मेरे दोस्त, परमेश्वर की एक अद्भुत प्रतिज्ञा है जिसे वह इस महीने आपके जीवन में पूरा करना चाहते हैं।

हम इसे इफिसियों 1:4-5 में देखते हैं: 'जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिये पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों'

इस बारे में सोचिए! आपके पैदा होने से पहले ही, परमेश्वर ने आपको अपना बेटा और बेटी बनने के लिए चुना था, और वह आपके पिता बनना चाहते हैं, ताकि हर कदम पर आपके साथ चल सकें।

परमेश्वर का बेटा या बेटी होने का क्या मतलब है?

कल्पना कीजिए कि आपके पास एक ऐसा पिता है जो पूरी तरह से आपके जीवन के लिए समर्पित है। वह आपके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सब कुछ करेगा, और साथ ही, वह यह पक्का करेगा कि आप उन रास्तों पर चलें जिन्हें वह सही मानता है।

इसी तरह, आपके स्वर्गीय पिता व्यक्तिगत रूप से आपको अपने करीब चलने और उनके सामने बेदाग रहने के लिए मार्गदर्शन करेंगे, ताकि जब लोग आपको देखें, तो वे कहें, 'मैं सचमुच देख सकता हूँ कि वह यीशु का बेटा है, वह यीशु की बेटी है। मैं उसमें यीशु को देख सकता हूँ।'

आपके जीवन में पिता का यही सुंदर काम है।

तीन तरीके जिनसे परमेश्वर आपको अपना बेटा और बेटी बनाते हैं

वह आपको अपनी कृपा से ढँक लेते हैं

'हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।' इफिसियों 1:7

आइए सच कहें। हर कोई संघर्ष करता है। हम गलतियाँ करते हैं। हम असफल होते हैं। कभी-कभी हम परमेश्वर से

दूर भी हो जाते हैं। लेकिन उनकी कृपा हमारी असफलताओं से कहीं बड़ी है।

परमेश्वर की भरपूर कृपा आपके जीवन को ढँक लेगी और आपको पाप के गड्ढे से बचाएगी। आप जितना दूर भागने की कोशिश करेंगे, उनकी अद्भुत कृपा आप तक उतनी ही पहुँचती रहेगी। वह आपको कभी गिरने या पाप से नष्ट नहीं होने देंगे। वह आपको वापस अपने पास खींच लेंगे। परमेश्वर का बेटा और बेटी होने का यही सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

इसलिए, जब आप असफल हों, तो परमेश्वर से दूर न भागें; बल्कि, उसकी ओर दौड़ें। उसकी कभी न खत्म होने वाली दया के लिए उन्हें धन्यवाद दें, और हमेशा याद रखें कि आपकी पहचान यीशु में है। वह आपके जीवन के लिए अपना मकसद बताते हैं

'जिसे उस ने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया कि उस ने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया।' इफिसियों 1:8-9

युवा लोग अक्सर यह सवाल पूछते हैं: **'मुझे कौन सा करियर चुनना चाहिए? मुझे कौन सा कोर्स करना चाहिए? मेरे भविष्य के लिए परमेश्वर की क्या योजना है?'** मेरे दोस्त, परमेश्वर यह पहले से ही जानते हैं।

उनके बेटे और बेटियों के तौर पर, वे प्रतिज्ञा करते हैं कि वह आपको उसी मकसद के अनुसार आगे बढ़ाएंगे जिसके लिए उसने आपको बनाया है।

एक मशहूर मिशनरी, चार्ल्स थॉमस स्टड, इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। जवानी के दिनों में, उनके पास दुनिया की हर चीज़ थी - सफल क्रिकेट करियर, दौलत और शोहरत। फिर भी, जब परमेश्वर ने उनके जीवन के लिए अपना मकसद ज़ाहिर किया, तो स्टड ने खुशी-खुशी मसीह के बुलाहट को मानने के लिए सब कुछ छोड़ दिया। जो चीज़ जीवन में सब कुछ छोड़ने जैसी लग रही थी, वही रास्ता बन गया जिसके ज़रिए परमेश्वर ने दुनिया भर में अनगिनत लोगों की भलाई के लिए उनका इस्तेमाल किया।

इसी तरह, परमेश्वर जानते हैं कि आपके जीवन के लिए उनका क्या मकसद है। आपको यह सोचने की ज़रूरत नहीं है कि आप सही रास्ते पर हैं या नहीं। जैसे-जैसे वह आपको आगे बढ़ाएंगे, आपको वह काम पता चल जाएगा जिसके लिए आपको बनाया गया है। आपको खुशी, संतुष्टि और भरोसा मिलेगा क्योंकि आप परमेश्वर की सही इच्छा के अनुसार चल रहे हैं।

इसलिए, जीवन में कोई भी ज़रूरी फ़ैसला लेने से पहले, प्रार्थना करें। हर दिन परमेश्वर के वचन का कुछ हिस्सा पढ़ें और पूछें, 'हे प्रभु, आज आप मुझे क्या सिखा रहे हैं?' उसके दिखाए रास्ते और सही समय पर भरोसा रखें।

वह आपके स्वभाव को बदलते हैं

'आत्मा का फल है - प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, दया, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम।' गलातियों 5:22-23

परमेश्वर सिर्फ़ यह नहीं बदलते कि आप कहाँ जा रहे हैं। वह यह भी बदलते हैं कि आप कैसे इंसान बन रहे हैं।

जैसे-जैसे उसकी आत्मा आपके अंदर काम करती है, आपका स्वभाव यीशु जैसा, उसकी छवि जैसी- प्रेम, आनंद, शांति, दया, संयम और नम्रता से भरी - हो जाएगी।

आप खुद अपने स्वभाव में आए बदलावों को देखकर हैरान

रह जाएंगे। आप सोचेंगे, 'मैं तो बहुत गुस्सैल इंसान था, लेकिन परमेश्वर ने मुझे दयालु बना दिया है। मेरी सारी जलन खत्म हो गई है, और अब मैं बहुत संतुष्ट और शांत महसूस करता हूँ।' ये आपके अंदर बढ़ रहे परमेश्वर की आत्मा के फल हैं।

जब लोग आपकी ज़िंदगी देखेंगे, तो वे आपके ज़रिए पिता को देख पाएँगे।

इसलिए, मेरे दोस्त, आज खुद से पूछें, 'क्या मैं अपनी ज़िंदगी में यीशु की झलक दिखा रहा हूँ? क्या मेरे दोस्त मुझमें दया, शांति और संयम देखते हैं?'

जैसे-जैसे आप पिता के करीब रहेंगे, वे आपकी ज़िंदगी में अपना सुंदर काम करते रहेंगे, जब तक कि लोग आपके ज़रिए साफ़ तौर पर यीशु की झलक न देख लें।

उसके प्रिय संतान के तौर पर पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ें।

अगर कोई बार-बार हमारी बेइज्जती करता है, तो क्या हमें उन्हें माफ़ कर देना चाहिए और सब्र रखना चाहिए, या अपनी इज़्ज़त का ध्यान रखते हुए उनके खिलाफ़ कदम उठाना चाहिए?

– *जोसेफ का सवाल*

प्रिय दोस्त, मेरा मानना है कि हममें से बहुत से लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में ऐसा अनुभव करते हैं, चाहे वो हिम्मत तोड़ने वाली बातें हों, दुख पहुँचाने वाली बातें हों या बेइज्जती करने वाली बातें हों। ये बातें हमारे दोस्तों, क्लासमेट्स या स्कूल के लोगों की तरफ़ से हो सकती हैं। या फिर हमारे परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों या कभी-कभी हमारे साथ काम करने वालों, मैनेजरों, बॉस और कभी-कभी हमारे बहुत करीबी और प्यारे लोगों की तरफ़ से भी हो सकती हैं। ये सभी बातें हमारे दिल को चोट पहुँचा सकती हैं। जैसा कि नीतिवचन 19:11 में कहा गया है, 'जो मनुष्य बुद्धि से चलता है वह विलम्ब से क्रोध करता है, और अपराध को भुलाना उस को सोहता है।' कभी-कभी, सब्र और समझदारी से जवाब देना कमज़ोरी नहीं, बल्कि ताकत होती है।

तो अलग-अलग स्थितियों में हम इससे कैसे निपटें?

जब कॉलेज या स्कूल की बात आती है, तो लोग कई बार हमारी बेइज्जती कर सकते हैं या हमारा मज़ाक उड़ा सकते हैं। वे हमें शर्मिंदा करने की कोशिश कर सकते हैं। उनका मकसद सिर्फ़ हमारा नाम खराब करना हो सकता है, और वे हमें परेशान करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। कभी-कभी ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि वे खुद किसी मुश्किल दौर से गुज़र रहे हों। हो सकता है कि वे खुद दुखी हों, या हमारे खिलाफ़ उनका कोई छिपा हुआ मकसद हो।

ऐसी स्थितियों में मेरी सलाह यही होगी कि आप बस उनसे दूर हो जाएँ। हम उनसे जितना ज़्यादा बातचीत करेंगे, उन्हें हमारी और बेइज्जती करने के उतने ही ज़्यादा मौके देंगे। बेहतर यही है कि हम अपना समय अपने दोस्तों, अपने चाहने वालों और उन लोगों के साथ बिताएँ जो हमें समझते हैं। अपनी इज़्ज़त बचाने की कोशिश हमें उस पल में जो करना ज़रूरी है, उस पर ध्यान देने से रोकेगी। अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें या उन लोगों के साथ समय बिताएँ जो सच में आपको जानते हैं। जब आप उन्हें ताकत या समय नहीं देंगे, तो वे भी थक जाएँगे और आखिरकार इसे भूल जाएँगे।

जिस जगह पर आप शर्मिंदगी का सामना कर रहे हैं, वहीं परमेश्वर...आपकी प्रशंसा और सम्मान बढाएंगे

जब ऐसा घर पर हो तो हम क्या करें? हो सकता है कि परिवार के सदस्य या रिश्तेदार दुख पहुँचाने वाली बातें कहें, जैसे कि लंबे समय से बच्चा न होना। या यह कहना कि हम बहुत ज़्यादा नखरे करते हैं क्योंकि हमें जीवनसाथी नहीं मिल रहा है। या हो सकता है कि आप लंबे समय से नौकरी न होने की वजह से परेशान हों। या तो इसलिए कि आपको नौकरी से हटा दिया गया, या निकाल दिया गया, या आपने खुद नौकरी छोड़ दी। वे आपको ऐसा महसूस करा सकते हैं कि आपमें कोई कमी है और आप काफी अच्छे नहीं हैं। वे आपके लुक का मज़ाक भी उड़ा सकते हैं और आपको छोटा महसूस करा सकते हैं।

ऐसी स्थितियों में, सबसे अच्छा है कि आप मुस्कुराते रहें और सबके साथ अच्छा व्यवहार करें। क्योंकि परमेश्वर जानते हैं कि आपके दिल पर क्या गुज़र रही है। वे जानते हैं कि आपकी ज़िंदगी में क्या चल रहा है। हो सकता है कि वे आपको किसी बड़ी आशीष के लिए तैयार कर रहे हों, ताकि जिस जगह पर आपको शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है, वहीं परमेश्वर आपको तारीफ़ और सम्मान दें। सब्र रखें। लोगों को यह बताने के लिए इधर-उधर न भागें कि आपकी ज़िंदगी में क्या हो रहा है और खुद का बचाव करने की कोशिश न करें। परमेश्वर आपकी लड़ाइयाँ लड़ेंगे, और आप शांति बनाए रखें।

आप कह सकते हैं, 'जब लोगों की बातें मेरी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर असर नहीं डालतीं, तो मैं उन्हें नज़रअंदाज़ कर सकता हूँ। लेकिन क्या होगा अगर मुझे उन्हीं लोगों के साथ काम करना पड़े? मुझे अपने बॉस को जवाब देना होता है। मुझे अपने साथ काम करने वालों को जवाब देना होता है। और वे मेरे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, तो मैं उनके साथ मिलकर कैसे काम कर सकता हूँ?'

अगर आपके काम की जगह पर ऐसा हो रहा है, तो अपनी नौकरी में अपना सर्वश्रेष्ठ दें। ध्यान लगाएँ और जो काम आप करते हैं, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दें। किसी के प्रति मन में कड़वाहट न रखें। उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश न करें। लोगों से बदला न लें। बल्कि जो काम आपके सामने है, उस पर ध्यान दें। परमेश्वर आपकी ईमानदारी का फल देंगे, और आपको तारीफ़ और सम्मान मिलेगा।

मेरी एक दोस्त के मामले में भी ऐसा ही हुआ था, वह एक जूनियर डॉक्टर थी। अपनी काबिलियत और बेहतरीन काम की वजह से, हेड डॉक्टर उसे ट्रेनिंग देते थे और कई मामलों में उससे मदद लेते थे। सभी स्टाफ़, नर्सों और यहाँ तक कि मरीज़ों के बीच भी वह सबकी चहेती बन गई थी। लेकिन कंपनी के डायरेक्टर को यह सब पसंद नहीं आया। वह उसे नीचा दिखाने, उसका चरित्र खराब करने और सबके सामने उसका मज़ाक उड़ाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन उसने कभी इसकी परवाह नहीं की। हालाँकि यह उसके लिए दुखद था, लेकिन उसने कभी इसे अपने काम पर ज़ाहिर नहीं होने दिया। वह बहुत ईमानदार थी और अपना काम करती रही। नतीजतन, परमेश्वर ने उसे और भी कई मामले सौंपे। लोग सिर्फ़ उसी से इलाज करवाना चाहते थे, जबकि वहाँ उससे ज़्यादा सीनियर डॉक्टर भी मौजूद थे। परमेश्वर ने उसे उन दुखद हालात से बाहर निकाला। अब वह एक अलग देश में है, और परमेश्वर उसकी ज़िंदगी को रोशन कर रहे हैं। परमेश्वर ने उसकी ज़िंदगी को बहुत अच्छे तरीके से आगे बढ़ाया है, और अब हर कोई उसे देखकर खुश हो रहा है।

यही बात हमें नीतिवचन 16:7 में देखने को मिलती है: 'जब किसी इंसान के काम परमेश्वर को पसंद आते हैं, तो वे उसके दुश्मनों को भी उसके साथ शांति से रहने पर मजबूर कर देते हैं।'

वे बातें आपको छू भी नहीं पाएंगी। आप उनसे कहीं ऊपर हैं। परमेश्वर आपको इतनी ऊँची जगह पर ले जाएंगे कि वे बातें और वे दुखद हालात आपको छू भी नहीं पाएंगे। आपको एक महान मकसद के लिए चुना गया है। अपने काम में डटे रहें। अपनी ज़िंदगी में डटे रहें। अपने कामों, अपनी बातों और अपने विचारों को पवित्र रखें। परमेश्वर आपको उसी जगह पर ऊँचा उठाएंगे जहाँ आपको शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। आपको एक बड़े मकसद के लिए चुना गया है। खुश रहें, मेरे दोस्त।

पवित्र आत्मा से प्रार्थना और भविष्यद्धाणी की शक्ति (PPE) ट्रेनिंग के द्वारा

सशक्त पीढ़ी तैयार करना

5 वां बैच शुरू हो रहा है...

परमेश्वर कहते हैं, 'अंतिम दिनों में, मैं सब प्राणियों पर अपनी आत्मा उंडेलूंगा। तुम्हारे बेटे-बेटियां भविष्यद्धाणी करेंगे।' - प्रेरितों के काम 2:17

इस बैच की ट्रेनिंग 22 जून 2026 को शुरू हुई। 'यीशु बुलाता है प्रार्थना एकेडमी' का यह 300 घंटे का सर्टिफिकेट प्रोग्राम, विश्वासियों को परमेश्वर के वचन, सच्ची प्रार्थना, भविष्यद्धाणी की सेवा और व्यावहारिक मसीही जीवन के लिए तैयार करने के मकसद से प्रार्थनापूर्वक बनाया गया है।

पहले चार बैचों को 300 छात्र सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं, और अब लगभग 190 प्रतिभागी 5 वें बैच में शामिल हुए हैं। कई ग्रेजुएट अब 'यीशु बुलाताा है मिनिस्ट्री' के ज़रिए सेवा कर रहे हैं, लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और परमेश्वर का प्रेम बांट रहे हैं।

हम आध्यात्मिक रूप से तैयार करने वाले इस बढ़ते हुए आंदोलन के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि इस नए बैच का हर प्रतिभागी एक सच्चा चेला बने, भविष्यद्धाणी की सामर्थ्य में आगे बढ़े और परमेश्वर के प्रेम और शक्ति के ज़रिए बहुतों के लिए आशीष का कारण बने।

'यीशु पुकारते हैं पत्रिका' मिनिस्ट्री

परमेश्वर की आवाज़ हर घर तक पहुँचाना

वह वचन जिसने मेरे विश्वास को मज़बूत किया

'जब हर बैंक ने मेरा होम लोन रिजेक्ट कर दिया, तो मैंने 'यीशु पुकारते हैं' पत्रिका के ज़रिए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर भरोसा किया और 'प्रार्थना भवन बिल्डिंग प्रोजेक्ट' में मदद करने का संकल्प लिया। 10 मिनट के अंदर ही बैंक ने मेरा लोन मंज़ूर कर दिया, और प्रभु ने हमारे परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखी।' - कैंडी

प्रिय पाठक, जिस तरह परमेश्वर ने एक वादे के ज़रिए कैंडी के विश्वास को मज़बूत किया, उसी तरह वे 'यीशु पुकारते हैं पत्रिका' के माध्यम से अनगिनत लोगों से बात करते रहते हैं। यह पत्रिका 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' में आने वाले लोगों को मुफ़्त में भी दी जाती है। इसे छापने और वितरित करने के लिए हर महीने लगभग रु 25 लाख की ज़रूरत होती है।

क्या आप प्रार्थनापूर्वक अपनी भेंट का कुछ हिस्सा इस पत्रिका मिनिस्ट्री के सहयोग के लिए अलग रखेंगे? जब आप दान देंगे, तो प्रभु आपकी निष्ठा पर आशीष देंगे और आपको भरपूर प्रतिफल देंगे, जैसा कि उनका वादा है: 'दो, तो तुम्हें भी दिया जाएगा।' लूका 6:38

'यीशु पुकारते हैं पत्रिका मिनिस्ट्री' का सहयोग करने या अपनी प्रिंटेड कॉपी के लिए सब्सक्राइब करने हेतु QR कोड स्कैन करें।

ई-मैगज़ीन मुफ़्त में यहाँ पढ़ें: www.jesuscalls.org/magazine

SCAN TO DONATE

SEESHA
LET'S GIVE LIFE

सपनों की उड़ान:

सीशा का स्कूल किट लॉन्च 2026

13 जून को, सीशा का मिशन 20,000 ज़रूरतमंद बच्चों तक स्कूल किट पहुँचाना था, जिसे फिर से शुरू किया गया , 700 बच्चों को स्कूल किट मिलीं, जिससे उन्हें न सिर्फ़ ज़रूरी सामान मिला, बल्कि कक्षा में अपनेपन का एहसास भी हुआ।

सीशा के फ़ाउंडर और मैनेजिंग ट्रस्टी, डॉ पॉल दिनाकरन ने डिस्ट्रीब्यूशन इवेंट के लॉन्च की अध्यक्षता की, और हर बच्चे को याद दिलाया कि हिम्मत मुश्किलों से भी ज़्यादा मज़बूत हो सकती है। ट्रस्टी, वकील ईश्वरदास और COO, सुश्री स्वीटी यूनिस मौजूद थीं। स्कूल किट बैग में एक लंच बॉक्स, एक पानी की बोतल, स्टेशनरी वगैरह थी। हालाँकि ये आम और आसान चीज़ें थीं, फिर भी इनमें एक बच्चे की इज़्ज़त और आत्म-मूल्य होती है।

सभी शिक्षण केंद्रों के शीर्ष 3 लर्निंग सेंटर्स को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
स्नातक हुए कौशल प्रशिक्षार्थी को सर्टिफ़िकेट दिए गए।
ज़रूरतमंद बच्चों की पढ़ाई को मज़बूत बनाने के मिशन का हिस्सा बनें।

स्मार्ट क्लासरूम, अच्छा भविष्य

क्लासरूम को डिजिटल बनाने से युवाओं के सीखने का तरीका बदल रहा है। शहरी झुग्गी-झोपड़ियों, ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में, SEESHA प्रोजेक्टर, टैबलेट और डिजिटल कंटेंट से लैस स्मार्ट क्लासरूम ला रहा है। इंटरैक्टिव ऐप, प्रेजेंटेशन, प्रैक्टिस शीट और असेसमेंट, लेसन को ज़्यादा विज़ुअल और दिलचस्प बनाते हैं, जो पारंपरिक रटने वाली पढ़ाई से कहीं आगे हैं।

रांची, चेन्नई, कड्लूर और व्यारा में हमारे कंप्यूटर लिटरेसी प्रोग्राम स्टूडेंट्स को ज़रूरी डिजिटल स्किल्स सिखाते हैं MS Office से लेकर Canva और AI फंडामेंटल्स तक, उन्हें कल की वर्कफोर्स के लिए तैयार करते हैं।

एक डिवाइस स्पॉन्सर करें, भविष्य को मज़बूत बनाएं:

- **डिजिटल लिटरेसी ट्रेनिंग के लिए कंप्यूटर डेस्कटॉप: रु 35,000/ एक भाग**
- **इंटरैक्टिव स्टूडेंट लर्निंग के लिए टैबलेट: रु 18,000/ एक भाग**

हर बच्चे को डिजिटली आगे बढ़ने के लिए उपकरण मिलने चाहिए।

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

044 66660000
+91 9300 600 600
www.seesha.org
info@seesha.org
SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045

DONATE TO SEESHA

You can also donate through: https://seesha.app

* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600

घर से दूर एक घर!

डिज़ाइनर के लिए एक नोट: अगला सेक्शन एक अलग रेक्टेंगुलर बॉक्स में शामिल किया जाएगा, जिसके किनारों पर OACH.png और Wristband.png होगा

सीशा का ओल्ड एज केयर होम, सिरुवानी फॉल्स, कारुण्या नगर, कोयंबटूर की शांत पहाड़ियों पर बसा है। यह मामूली कीमत पर दयालुता से रहने की सुविधा, पौष्टिक खाना और बुज़ुर्गों की देखभाल देता है। हमारी मदद करें ताकि कोई भी बुज़ुर्ग न छूटे। आप इस तरह मदद कर सकते हैं:

✲ एक बुज़ुर्ग की पूरी देखभाल: रु 15,000/महीना ✲ चार बुज़ुर्गों की देखभाल: रु 60,000/महीना

अगर आप किसी बुज़ुर्ग की मदद करने का वादा करते हैं, तो आपको एक सीशा रिस्टबैंड मिलेगा जिस पर 'उनके हाथ थाम लो, उनके दिलों को चंगा करो' लिखा होगा यह आपके दरवाज़े पर कोरियर किया जाएगा। ज़्यादा जानने के लिए +91-9500 127275 पर कॉल करें!

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

लाइव

हिंदी और अंग्रेज़ी में

इस QR कोड के द्वारा अपनी प्रार्थना की विनतियाँ भेजें

BRAND NEW

ONLINE PRAYER FESTIVAL

बिल्कुल नया ऑनलाइन प्रार्थना उत्सव

WATCH LIVE ON YouTube JESUS CALLS

लाइव चैट के ज़रिए लाखों लोगों के साथ जुड़ें,
जहाँ दिनाकरन परिवार
आपकी सभी ज़रूरतों के लिए प्रार्थना करेगा

2026
अगस्त
15

सुबह 11:00 बजे शुरू होगा

अंग्रेज़ी और हिंदी में

यह तारीख अपने कैलेंडर में लिख लें
इसे अपने सभी संपर्कों को भेजें...
दूसरों के लिए आशीष बनें...

www.youtube.com/jesuscalls

Printed by Bharathi Raj Kumar Printed at Rasi Graphics Private Limited, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai, Tamil Nadu - 600014. Published by Ernest G L B Published at Jesus Calls, 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, R.A. Puram, Chennai, Tamil Nadu - 600028 on behalf of Jesus Calls.
Editor Ernest GLB